भीम प्रज्ञा अलर्ट

सच्ची समाजसेवा वह नहीं, जिसमें सम्मान और प्रसिद्धि की अपेक्षा हो, बल्कि वह है जिसमें इंसान दूसरों के दर्द को अपना समझकर उनके अधिकार, सम्मान और न्याय के लिए निःस्वार्थ भाव से खड़ा हो। यही संवेदना इंसान को समाज हितैषी बनाती है।

दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-348 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 14 नवंबर, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00



संपादकीय

"मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है,,

निःस्वार्थ सेवा और संवेदना की शक्ति ही समाज परिवर्तन का आधार

आज के दौर में जब व्यक्तिगत स्वार्थ, प्रतिस्पर्धा और भौतिक उपलब्धियों को सफलता का पैमाना माना जाने लगा है, तब निःस्वार्थ सेवा, मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का महत्व और भी बढ़ जाता है। किसी व्यक्ति की वास्तविक महानता उसके पद, प्रतिष्ठा, धन-संपत्ति या लोकप्रियता से नहीं, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसने अपने जीवन में दूसरों के लिए क्या किया और समाज के कमजोर, शोषित एवं वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए कितना संघर्ष किया। जो इंसान बिना किसी निजी लाभ अथवा प्रतिफल की अपेक्षा के अपना अमूल्य समय, श्रम और सामर्थ्य दूसरों के कल्याण में लगाता है, वही वास्तव में समाज हितैषी कहलाने का अधिकारी है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

समाज केवल संपन्न और सुविधासंपन्न लोगों से नहीं बनता, बल्कि उसमें ऐसे असंख्य लोग भी शामिल हैं, जिन्हें आर्थिक अभाव, सामाजिक भेदभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी और अवसरों की असमानता का सामना करना पड़ता है। किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से नहीं होती कि वहां कितने लोग संपन्न हैं, बल्कि इस बात से होती है कि वहां कमजोर और जरूरतमंद लोगों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। जब किसी वंचित व्यक्ति की आवाज को अनसुना कर दिया जाता है, जब किसी श्रमिक को उसके परिश्रम का उचित सम्मान नहीं मिलता और जब किसी महिला या कमजोर वर्ग के व्यक्ति को उसके अधिकारों से वंचित किया जाता है, तब समाज की सामूहिक संवेदना पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। ऐसे समय में जरूरत होती है उन लोगों की, जो केवल समस्याओं पर चर्चा न करें, बल्कि पीड़ितों के साथ खड़े होकर समाधान की दिशा में प्रयास करें। भारतीय इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने आचरण और संघर्ष से यह प्रमाणित किया है कि निःस्वार्थ सेवा समाज परिवर्तन का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले ने उस समय शिक्षा की अलख जगाई, जब महिलाओं और वंचित समुदायों को शिक्षा से दूर रखने की मानसिकता समाज में गहराई तक व्याप्त थी। उन्होंने सामाजिक विरोध, अपमान और कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा को समानता और मुक्ति का माध्यम बनाया। उनका संघर्ष केवल विद्यालय खोलने तक सीमित नहीं था, बल्कि वह एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था के निर्माण का प्रयास था, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान और आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। इसी कड़ी में डॉ. भीमराव अंबेडकर का योगदान सामाजिक न्याय के इतिहास में विशेष स्थान रखता है। उन्होंने अपना जीवन जातिगत भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक असमानता के विरुद्ध संघर्ष करते हुए समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि शिक्षा, संगठन और संघर्ष के माध्यम से ही समाज में वास्तविक परिवर्तन लाया जा सकता है। भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय के संवैधानिक अधिकारों की मजबूत आधारशिला प्रदान की। उनके विचार आज भी हमें यह समझाते हैं कि किसी भी व्यक्ति का सम्मान उसकी जाति, धर्म, आर्थिक स्थिति या सामाजिक पृष्ठभूमि से नहीं, बल्कि उसकी मानवीय गरिमा से निर्धारित होना चाहिए। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन भी सादगी, परिश्रम और राष्ट्रसेवा की प्रेरक मिसाल है। उन्होंने विज्ञान, शिक्षा और युवाओं के भविष्य को अपने चिंतन का केंद्र बनाया। उनका विश्वास था कि देश का विकास तभी संभव है, जब प्रत्येक बच्चे को सपने देखने और उन्हें साकार करने का अवसर मिले। उन्होंने युवाओं को ज्ञान, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इन महान व्यक्तित्वों के जीवन में एक समान सूत्र दिखाई देता है—उन्होंने अपने व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के व्यापक हित को प्राथमिकता दी।

हालांकि, निःस्वार्थ सेवा का अर्थ केवल बड़े आंदोलन चलाना या इतिहास में स्थान बनाना नहीं है। समाज परिवर्तन की शुरुआत छोटे-छोटे प्रयासों से भी हो सकती है। किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की पढ़ाई में सहयोग करना, किसी बुजुर्ग की सहायता करना, किसी पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित मंच तक उसकी बात पहुंचाना, श्रमिकों के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना अथवा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाना भी सेवा के महत्वपूर्ण रूप हैं। सबसे जरूरी यह है कि सेवा के पीछे दिखावा, प्रसिद्धि या राजनीतिक लाभ की भावना न हो, बल्कि वास्तविक मानवीय सरोकार और जिम्मेदारी का भाव हो। आज सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती यह भी है कि कई बार सेवा को प्रचार और प्रतिष्ठा प्राप्त करने का माध्यम बना दिया जाता है। जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता करने से अधिक महत्व उसकी तस्वीर और वीडियो प्रचारित करने को मिलने लगता है। ऐसी प्रवृत्ति सेवा की मूल भावना को कमजोर करती है। किसी की मजबूरी को सार्वजनिक प्रदर्शन का विषय बनाने के बजाय उसकी गरिमा और आत्मसम्मान की रक्षा करना अधिक महत्वपूर्ण है। सच्ची सेवा वही है, जिसमें सहायता प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एहसान का बोझ महसूस न हो, बल्कि उसे अपने अधिकार और सम्मान का एहसास हो। समाज हितैषी व्यक्ति केवल दूसरों की समस्याओं पर सहानुभूति व्यक्त नहीं करता, बल्कि उनके कारणों को समझकर स्थायी समाधान की दिशा में प्रयास करता है। वह अन्याय के सामने मौन नहीं रहता और न ही किसी कमजोर व्यक्ति की पीड़ा को उसकी व्यक्तिगत समस्या मानकर नजरअंदाज करता है। वह समाज में शिक्षा, समानता, भाईचारे, वैज्ञानिक सोच और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने का प्रयास करता है। ऐसे लोगों की सबसे बड़ी पूंजी उनका चरित्र, ईमानदारी और जनविश्वास होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज में निःस्वार्थ सेवा करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रोत्साहित किया जाए। युवाओं को केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित रहने के बजाय सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति भी जागरूक बनाया जाए। शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों को मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए, जहां संवेदना और सहयोग को कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक शक्ति माना जाए। हमें यह भी समझना होगा कि अधिकारों की जानकारी, शिक्षा और जागरूकता के बिना वंचित वर्गों का वास्तविक सशक्तीकरण संभव नहीं है।

अंततः, समाज की मजबूती केवल कानूनों और सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की संवेदनशीलता, सहभागिता और नैतिक जिम्मेदारी से भी तय होती है। महापुरुषों के आदर्शों को केवल स्मरण करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें अपने व्यवहार और कर्म में उतारना आवश्यक है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता और समय का थोड़ा-सा हिस्सा भी दूसरों के उत्थान के लिए समर्पित कर दे, तो समाज में व्याप्त अनेक समस्याओं का समाधान संभव हो सकता है। याद रखना चाहिए कि पद और प्रतिष्ठा व्यक्ति को पहचान दिला सकते हैं, लेकिन निःस्वार्थ सेवा ही उसे लोगों के दिलों में स्थान दिलाती है। जो व्यक्ति शोषितों और वंचितों की आवाज बनकर उनके अधिकार, सम्मान और न्याय के लिए खड़ा होता है, वही सच्चे अर्थों में समाज का हितैषी और परिवर्तन का वाहक होता है। समाज को ऐसे ही संवेदनशील, जागरूक और कर्मशील लोगों की आवश्यकता है।

अशोक गहलोत हर शनिवार को जारी करेंगे बजट फाइल्स

बोले- भाजपा सरकार के वादों और दावों की खुलेगी पोल

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । पूर्व सीएम अशोक गहलोत 14 नवंबर से हर शनिवार को सरकार की बजट घोषणाओं और वादों को लेकर बजट फाइल्स जारी करेंगे। पिछली बार गहलोत ने इंतजारशास्त्र के जरिए बीजेपी सरकार को घेरा था। अब नई वीडियो सीरीज 'बजट फाइल्स' शुरू कर रहे हैं। इसमें राज्य सरकार की बजट घोषणाओं और उनकी डिलीवरी के बारे में रिपोर्ट पेश की जाएगी। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने लिखित बयान जारी कर कहा- राज्य सरकार अब तक चार बजट दस्तावेज पेश कर चुकी है। लेखानुदान 2024, संशोधित बजट 2024-25, बजट 2025-26 और बजट 2026-27। इनमें सड़कों, खेल, पेयजल, स्वास्थ्य, शहरी विकास और कर्मचारी कल्याण से जुड़ी बड़ी संख्या में घोषणाएं की गईं। 'बजट फाइल्स' में हर शनिवार इनमें से एक बड़ी घोषणा को उठाएगी और पूछेगी कि घोषणा तो हुई, लेकिन उसके क्रियान्वयन की हकीकत क्या है?

बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, जनता से किया वादा होता है

गहलोत ने कहा- बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, जनता से किया वादा होता है। 'बजट फाइल्स' का मकसद इन वादों का हिसाब जनता तक पहुंचाना और सरकार से जवाबदेही मांगना है, ताकि घोषणाएं कागजों तक सीमित न रह जाएं। बजट फाइल्स के जरिए भाजपा सरकार के वादों और दावों की पोल खुलेगी।



बजट फाइल्स से शुरू होगा सियासी वार- पलटवार का दौर

गहलोत की बजट फाइल्स से सियासी वार पलटवार का दौर शुरू होना तय माना जा रहा है। पिछली बार इंतजारशास्त्र के जरिए गहलोत ने सरकार को घेरा था, तब बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष और मंत्रियों ने हर बार पलटवार किया था। सीएम भजनलाल शर्मा ने दो साल बनाम पांच साल के कामकाज पर विधानसभा में बहस की चुनौती दी थी। बहस रखी भी गई, लेकिन कांग्रेस विधायकों ने बहिष्कार कर दिया था।

झुंझुनूं से देशभर के उपभोक्ताओं के अधिकारों की आवाज

दुकानदार MRP से ज्यादा रकम मांगे तो कहें-बिल दीजिए

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । बाजार में 20 रुपए MRP वाली वस्तु खरीदने के बाद दुकानदार को 25 रुपए चुकाना क्या आपके लिए भी सामान्य बात है? पांच रुपये के अंतर को छोटी रकम समझकर क्या आप भी बिना सवाल किए भुगतान कर देते हैं? अगर हां, तो यह आदत बदलने की जरूरत है। उपभोक्ताओं के अधिकारों को लेकर यह अपील झुंझुनूं जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने की है।

उन्होंने कहा- छोटी-छोटी अतिरिक्त वसूली को नजरअंदाज करना ही अनुचित व्यापारिक व्यवहार को बढ़ावा देता है। आदत को बदलने और देशभर के उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए हमने मुहिम शुरू की है। हमने 'कंज्यूमर वॉइस न्यायोत्सव 2.0' के तहत MRP से अधिक वसूली के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया है।



सप्ताह में दो बार जानकारी साझा

आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने आम उपभोक्ताओं तक जरूरी कानूनी जानकारियां पहुंचाने के लिए मीडिया के माध्यम से सप्ताह में दो बार उपभोक्ता अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण विधिक बिंदुओं की जानकारी साझा करने की पहल की है। इसी कड़ी में इस बार 'MRP से अधिक नहीं, उपभोक्ता अधिकारों से समझौता नहीं' का संदेश दिया गया है।

5 सेकेंड की जांच, बच सकती है जेब

मील ने कहा- अक्सर बाजार में खरीदारी करते समय उपभोक्ता पैकेट पर लिखी कीमत देखे बिना ही भुगतान कर देते हैं। कई बार दुकानदार द्वारा बताई गई कीमत को ही अंतिम मान लेते हैं।

सीकर कलेक्टर के नाम से फेक फेसबुक प्रोफाइल बनाई

फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट ना करने, कोई फाइनेंशियल लेन-देन ना करने की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । सीकर जिला कलेक्टर आशीष मोदी के नाम से फेसबुक पर किसी ने फेक प्रोफाइल बना दी। कलेक्टर को सूचना मिलते ही उन्होंने साइबर पुलिस थाने में सूचना दी। कलेक्टर ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों से अपील की है कि इस प्रोफाइल के जरिए किसी भी तरह का फाइनेंशियल लेन-देन न करें और इसके दुरुपयोग को रोकने में सहयोग करें। मामले में साइबर पुलिस को शिकायत दी गई है। कलेक्टर आशीष मोदी ने सोशल मीडिया पर फेक प्रोफाइल को लेकर अलर्ट पोस्ट लिखी और मूल फेसबुक अकाउंट पर फर्जी प्रोफाइल का स्क्रीनशॉट शेयर किया है। कलेक्टर मोदी ने आमजन से फ्रेंड रिक्वेस्ट एक्सेप्ट ना करने की भी अपील की है।



कलेक्टर मोदी ने फेसबुक पर लिखा कि- प्रिय दोस्तों, मेरे संज्ञान में आया है कि किसी ने मेरे नाम से एक फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाई है और मेरी फ्रेंड लिस्ट तथा प्रोफेशनल नेटवर्क के लोगों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेज रहा है। मैं अपने सभी दोस्तों और संपर्कों से अनुरोध करता हूं कि वे इस फर्जी प्रोफाइल को रिपोर्ट करें और इससे आने वाली किसी भी फ्रेंड रिक्वेस्ट को स्वीकार ना करें। साथ ही, इस फर्जी अकाउंट से आने वाले किसी भी संदेश, मदद की मांग, आर्थिक सहायता या व्यक्तिगत जानकारी से जुड़ी किसी भी रिक्वेस्ट को नजरअंदाज करें। इस प्रोफाइल को रिपोर्ट करने और इसके दुरुपयोग को रोकने में आपके सहयोग के लिए मैं आभारी रहूंगा।

इधर, जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने साइबर पुलिस को भी शिकायत की है। हालांकि, अब फेसबुक पर ये फर्जी अकाउंट नजर नहीं आ रहा है। कलेक्टर ने सोशल मीडिया पर पर्सनल इंफोर्मेशन शेयर ना करने की भी अपील की है।

चूरू में 184 मतदान दल चुनाव के लिए रवाना

जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के लिए कल होगी वोटिंग

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । चूरू में पंचायतराज चुनाव के चौथे चरण के लिए शुक्रवार को 184 मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण के बाद मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव शनिवार 14 नवंबर को होंगे। सरपंच और उपसरपंच पदों के लिए 16 नवंबर को वोटिंग होगी। पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय, चूरू में मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद उन्हें चुनाव सामग्री के साथ तय मतदान केंद्रों के लिए भेजा गया।



108 छोटी और 108 बड़ी मतपेटियां भी भेजी - सरपंच और उपसरपंच चुनाव के लिए मतदान दलों के साथ 108 बड़ी और 108 छोटी मतपेटियां भी भेजी गई हैं। दलों को मतदान केंद्रों पर पहुंचकर चुनाव की जरूरी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशिक्षण में मतदान सामग्री के इस्तेमाल, मतदाताओं की पहचान, मतदान प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग के नियमों की जानकारी दी गई। तहसीलदार ताराचंद मीणा, पोस्टल बैलेट प्रभारी एवं आरएएस मीनू वर्मा और टीए प्रवीण सिंघल सहित अन्य अधिकारियों ने प्रशिक्षण दिया।

36 कर्मचारी रिजर्व में रखे गए - एसडीएम धीरज झाझड़िया ने बताया कि पंचायत समिति चूरू के 96 बूथों के लिए 96 मतदान दल रवाना किए गए। आपात स्थिति के लिए 19 कर्मचारियों को रिजर्व में रखा गया है। पंचायत समिति चूरू उत्तर के लिए 88 मतदान दल भेजे गए हैं। यहां 17 कर्मचारी रिजर्व में रखे गए हैं। इस तरह कुल 36 कर्मचारी रिजर्व में हैं।

15 सूखाग्रस्त जिलों के लिए 9321 करोड़ का विशेष पैकेज

बारिश की कमी से बने अकाल के हालात; सीएम ने दिए पानी की व्यवस्था के निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान सरकार ने प्रदेश के 15 जिलों की 87 सूखाग्रस्त तहसीलों के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की है। सरकार ने इन जिलों के लिए 9 हजार 321 करोड़ रुपए के विशेष पैकेज की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को आपदा प्रबंधन, सहायता और नागरिक सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीएम भजनलाल ने कहा- राज्य सरकार ने 9 हजार 321 करोड़ रुपए के विशेष पैकेज की व्यवस्था की है। सीएम ने आपदा प्रबंधन और राहत कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करने के दिशा-निर्देश दिए। वहीं प्रभावित जिलों में जिला प्रशासन से निरंतर संपर्क बनाए रखने और आमजन, किसानों, पशुपालकों के लिए पेयजल, सिंचाई और चारे की उपलब्धता के निर्देश दिए।



मतदान से पहले प्रशासन अलर्ट, संवेदनशील-बूथों पर रहेगी? विशेष निगरानी

जिला निर्वाचन अधिकारी और एसपी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । पंचायती राज चुनाव के अंतिम चरण में मतदान से पहले जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। 14 और 16 नवंबर को होने वाले मतदान के दौरान क्रिटिकल और संवेदनशील मतदान केंद्रों पर पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। किसी भी तरह की अव्यवस्था या अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं। मतदाता बिना किसी भय और दबाव के अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकें, इसके लिए संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। चुनावी तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अरुण गर्ग और पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर अलसीसर और मंडावा पंचायत समिति क्षेत्र के दौरे पर रहे। दोनों अधिकारियों ने धनूरी, रामपुरा, अलसीसर, भूदा का बास, टमकोर, जाबासर, निराधनु, गांगियासर और महनसर स्थित मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया।



क्रिटिकल बूथों पर विशेष सतर्कता

अंतिम चरण के मतदान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाना प्रशासन के सामने प्रमुख चुनौती है। इसी को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर ने क्रिटिकल और संवेदनशील मतदान केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और मतदान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

बूथों पर रोशनी, पेयजल और साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अरुण गर्ग ने मतदान केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर पर्याप्त रोशनी होनी चाहिए। केवल मतदान कक्ष ही नहीं, बल्कि मतदान केंद्र परिसर और बाउंड्री के बाहर भी अतिरिक्त लाइट लगाई जाए, ताकि चुनाव संबंधी गतिविधियों के दौरान अंधेरे के कारण किसी तरह की परेशानी न हो। इसके साथ ही पेयजल और साफ-सफाई की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण में ये अधिकारी रहे मौजूद

निरीक्षण के दौरान मलसीसर एसडीएम मोनिका जाखड़, मंडावा एसडीएम विश्वामित्र मीणा, झुंझुनूं ग्रामीण डीएसपी नरेश कुमार, मंडावा बीडीओ अमित चौधरी, अलसीसर बीडीओ ममता चौधरी, मंडावा तहसीलदार सुरेंद्र कुमार, मलसीसर थाना अधिकारी डॉ. महेंद्र, धनूरी थाना अधिकारी कंचन, बिसाऊ थाना अधिकारी उमाशंकर और मंडावा थाना अधिकारी चंद्रभान सहित संबंधित मतदान केंद्रों के सेक्टर ऑफिसर एवं बीएलओ मौजूद रहे।

एसपी ने कहा कि मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय स्थिति नहीं होनी चाहिए। इसके लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी आपसी समन्वय से काम करें। संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि मतदाताओं को मतदान के दौरान किसी तरह की परेशानी या भय का सामना नहीं करना पड़े। प्रशासन का जोर मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखने पर है।



बाल दिवस

नेहरू जी का बाल प्रेम



चाचा जी ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरू जी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की मां की भूमिका निभाने का मन बना लिया। नेहरू जी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं, तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा जी खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था।

जब पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री थे और तीन मूर्ति भवन उनका सरकारी निवास था। एक दिन तीन मूर्ति भवन के बगीचे में लगे पेड़-पौधों के बीच से गुजरते हुए घुमावदार रास्ते पर नेहरू जी टहल रहे थे और पौधों पर छाई बहार देखकर खुशी से निहाल हो ही रहे थे, तभी उन्हें एक छोटे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। नेहरू जी ने आसपास देखा तो उन्हें पेड़ों के बीच एक-दो माह का बच्चा दिखाई दिया, जो दहाड़ मारकर रो रहा था। नेहरू जी ने मन ही मन सोचा- इसकी मां कहां होगी? उन्होंने इधर-उधर देखा। वह कहीं भी नजर नहीं आ रही थी। चाचा जी ने सोचा शायद वह बगीचे में ही कहीं माली के साथ काम कर रही होगी। नेहरूजी यह सोच ही रहे थे कि बच्चे ने रोना तेज कर दिया। इस पर उन्होंने उस बच्चे की मां की भूमिका निभाने का मन बना लिया। नेहरू जी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं,तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा जी खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। ऐसे ही एक बार जब पंडित नेहरू जी तमिलनाडु के दौरे पर गए, तब जिस सड़क से वे गुजर रहे थे वहां वे लोग साइकिलों पर खड़े होकर तो कहीं दीवारों पर चढ़कर नेताजी को निहार रहे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर आदमी इतना उत्सुक था कि जिसे जहां समझ आया वहां खड़े होकर नेहरू को निहारने लगा। इस भीड़भरे इलाके में नेहरू जी ने देखा कि दूर खड़ा एक गुब्बारे वाला पंजों के बल खड़ा डगमगा रहा था। ऐसा लग रहा था कि उसके हाथों के तरह-तरह के रंग-बिरंगी गुब्बारे मानो पंडितजी को देखने के लिए डोल रहे हो। नेहरू जी की गाड़ी जब गुब्बारे वाले तक पहुंची तो गाड़ी से उतर कर वे गुब्बारे खरीदने के लिए आगे बढ़े तो गुब्बारे वाला हक्का-बक्का सा रह गया। नेहरू जी ने अपने तमिल जानने वाले सचिव से कहकर सारे गुब्बारे खरीदवाएं और वहां उपस्थित सारे बच्चों को वे गुब्बारे बंटवा दिए। ऐसे प्यारे चाचा नेहरू को बच्चों के प्रति बहुत लगाव था। नेहरूजी के मन में बच्चों के प्रति विशेष प्रेम और सहानुभूति देखकर लोग उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करने लगे और जैसे-जैसे गुब्बारे बच्चों के हाथों तक पहुंचे, बच्चों ने चाचा नेहरू-चाचा नेहरू की तेज आवाज से वहां का वातावरण उल्लासित कर दिया। तभी से वे चाचा नेहरू के नाम से प्रसिद्ध हो गए।

प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाते हैं

14 नवंबर को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन होता है। इसे बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि उन्हें बच्चों से बहुत प्यार था और बच्चे उन्हें चाचा नेहरू पुकारते थे। बाल दिवस बच्चों को समर्पित भारत का राष्ट्रीय त्यौहार है। देश की आजादी में भी नेहरू का बड़ा योगदान था। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश का उचित मार्गदर्शन किया था। बाल दिवस बच्चों के लिए महत्वपूर्ण दिन होता है। इस दिन स्कूली बच्चे बहुत खुश दिखाई देते हैं। वे सज-धज कर विद्यालय जाते हैं। विद्यालयों में बच्चे विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं। वे अपने चाचा नेहरू को प्रेम से स्मरण करते हैं। बाल मेले में बच्चे अपनी बनाई हुई वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाते हैं। इसमें बच्चे अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। नृत्य, गान, नाटक आदि प्रस्तुत किए जाते हैं। नुक्कड़ नाटकों के द्वारा आम लोगों को शिक्षा का महत्व बताया जाता है। बच्चे देश का भविष्य हैं। इसलिए हमें सभी बच्चों की शिक्षा की तरफ ध्यान देना चाहिए। बच्चों के रहन-सहन के स्तर ऊंचा उठाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इन्हें स्वस्थ, निर्भीक और योग्य नागरिक बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह बाल दिवस का संदेश है। बाल दिवस के अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार बच्चों के भविष्य के लिए कई कार्यक्रमों की घोषणा करती है। बाल श्रम रोधी कानूनों को सही मायनों में पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। अनेक कानून बने होने के बावजूद बाल श्रमिकों की संख्या में वर्ष दर वर्ष वृद्धि होती जा रही है। इन बच्चों का सही स्थान कल-कारखानों में नहीं बल्कि स्कूल है।



अन्य देशों में बाल दिवस

भारत में यह दिन स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवंबर को मनाया जाता है। कहा जाता है कि पंडित नेहरू बच्चों से बेहद प्यार करते थे, इसलिए बाल दिवस मनाने के लिए उनका जन्मदिन चुना गया। दरअसल, बाल दिवस की नींव 1925 में रखी गई थी, जब बच्चों के कल्याण पर विश्व कान्फ्रेंस में बाल दिवस मनाने की सर्वप्रथम घोषणा हुई। 1954 में दुनिया भर में इसे मान्यता मिली। संयुक्त राष्ट्र ने यह दिन 20 नवंबर के लिए तय किया, लेकिन अलग-अलग देशों में यह अलग दिन मनाया जाता है। कुछ देश 20 नवंबर को भी बाल दिवस मनाते हैं। 1950 से बाल संरक्षण दिवस यानी 1 जून भी कई देशों में बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन इस बात की याद दिलाता है कि हर बच्चा खास है और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उनकी मूल जरूरतों और पढ़ाई लिखाई की जरूरतों का पूरा होना बेहद जरूरी है। यह दिन बच्चों को उचित जीवन दिए जाने की भी याद दिलाता है।

संविधान में बाल अधिकार

भारत का संविधान, संयुक्त राष्ट्र की योजनाओं के ही अनुरूप बच्चों के संरक्षण एवं अधिकारों की रक्षा के लिए कई सुविधाएं देता है। संविधान हर तरह से देश में बच्चों के कल्याण और उनकी शिक्षा एवं बालश्रम से मुक्ति के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से उन्मूलन के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ है।

- अनुच्छेद 15 (3) : राज्य को बच्चों एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अधिकार देता है।
- अनुच्छेद 21ए : राज्य को 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा देना क़ानूनी रूप से बाध्यकारी है।
- अनुच्छेद 24 : बालश्रम को प्रतिबंधित और गैर-कानूनी कहा गया है।
- अनुच्छेद 39 (ई) : बच्चों के स्वास्थ्य और रक्षा के लिए व्यवस्था करने के लिए राज्य क़ानूनी रूप से बाध्य है।
- अनुच्छेद 39 (एफ) : बच्चों को गरिमामय रूप से विकास करने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य की नैतिक ज़िम्मेदारी है।

अमूमन हर अविभावक अपने बच्चे के लिए अच्छा सोचता है, अच्छे से अच्छा करना चाहता है। और उसे सबसे आगे देखना चाहता है। इतना तक तो ठीक है और बहुत स्वाभाविक भी, लेकिन यहां देखना होगा कि हम बच्चे की प्रतिभा के संपूर्ण विकास की नींव रख रहे हैं या उसे अपनी महत्वाकांक्षा का हिस्सा बनाकर उसकी जिंदगी में अंधेरी दलदल और तनाव परोस रहे हैं।



चाचा नेहरू बच्चों के साथ

नेहरूजी ने बच्चे को उठाकर अपनी बांहों में लेकर उसे थपकियां दीं, झुलाया तो बच्चा चुप हो गया और मुस्कुराने लगा। बच्चे को मुस्कुराते देख चाचा खुश हो गए और बच्चे के साथ खेलने लगे। जब बच्चे की मां दौड़ते वहां पहुंची तो उसे अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। उसका बच्चा नेहरू जी की गोद में मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। ऐसे ही एक बार जब पंडित नेहरू तमिलनाडु के दौरे पर गए, तब जिस सड़क से वे गुज़र रहे थे, वहां वे लोग साइकिलों पर खड़े होकर तो कहीं दीवारों पर चढ़कर नेताजी को निहार रहे थे। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हर आदमी इतना उत्सुक था कि जिसे जहां समझ आया, वहां खड़े होकर नेहरू को निहारने लगा। इस भीड़भरे इलाके में नेहरू जी ने देखा कि दूर खड़ा एक गुब्बारे वाला पंजों के बल खड़ा डगमगा रहा था। ऐसा लग रहा था कि उसके हाथों के तरह-तरह के रंग-बिरंगी गुब्बारे मानो पंडित जी को देखने के लिए डोल रहे हो। जैसे वे कह रहे हों हम तुम्हारा तमिलनाडु में स्वागत करते हैं। नेहरू जी की गाड़ी जब गुब्बारे वाले तक पहुंची तो गाड़ी से उतरकर वे गुब्बारे ख़रीदने के लिए आगे बढ़े तो गुब्बारे वाला हक्का-बक्का-सा रह गया।

बाल शोषण

आज भी चाचा नेहरू के इस देश में लगभग 5 करोड़ बच्चे बाल श्रमिक हैं, जो चाय की दुकानों पर नौकरों के रूप में, फैक्ट्रियों में मजदूरों के रूप में या फिर सड़कों पर भटकते भिखारी के रूप में नजर आ ही जाते हैं। इनमें से कुछेक ही बच्चे ऐसे हैं, जिनका उदाहरण देकर हमारी सरकार सीना ठोककर देश की प्रगति के दावे को सच होता बताती है। यही नहीं, आज देश के लगभग 53.22 प्रतिशत बच्चे शोषण का शिकार हैं। इनमें से अधिकांश बच्चे अपने रिश्तेदारों या मित्रों के यौन शोषण का शिकार हैं। अपने अधिकारों के प्रति अनभिज्ञता एवं अज्ञानता के कारण ये बच्चे शोषण का शिकार होकर जाने-अनजाने कई अपराधों में लिप्त होकर अपने भविष्य को अंधकारमय कर रहे हैं। बचपन आज भी भोला और भावुक ही होता है लेकिन हम उन पर ऐसे-ऐसे तनाव और दबाव का बोझ डाल रहे हैं कि वे कुम्हला रहे हैं। उनकी खनकती-खिलखिलाती किलकारियां बरकरार रहें, इसके ईमानदार प्रयास हमें ही तो करने हैं। देश के ये गुलाबी नवांकुर कोमल बचपन की यादें सहेजें, इसके लिए ज़रूरी है कि हम उन्हें कठोर और क्रूर नहीं, बल्कि मयूर पंख सा लहलहाता बचपन दें। चाचा नेहरू को दो बातें बहुत पसंद थी। पहली वे अपनी शेरवानी की जेब में रोज़ गुलाब का फूल रखते थे और दूसरी वे बच्चों के प्रति बहुत ही मानवीय और प्रेमपूर्ण थे।



समारोह

हर वर्ष बचपन की यादों को ताजा करने के लिए बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। यह दिन हमें सिखाता है कि एक निर्दोष और जिज्ञासु बच्चे की तरह हमें सदैव खुश रहना चाहिए और हमेशा सीखने की कोशिश करते हुए मुस्कुराते रहना चाहिए। यह बच्चों के लिए उल्लास में डूब जाने का दिन है। स्कूलों में भी यह दिन बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। संपूर्ण भारत में इस दिन स्कूलों में प्रश्नोतरी, फैंसी परिधान प्रतियोगिता और बच्चों की कला प्रदर्शनियों जैसे कई विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक और कॉर्पोरेट संस्थाओं ने सभी पृष्ठभूमि के बच्चों के लिए विशेष समारोह और प्रतियोगिताओं का आयोजन शुरू किया है। इस तरह के आयोजन देश के हर कोने में लोकप्रिय हुए हैं। अब टेलीविजन और अन्य मीडिया नेटवर्क समाज के प्रत्येक स्तर पर 14 नवंबर को बच्चों के लिए ख़ास कार्यक्रम बना रहे हैं।

राष्ट्रपति सहभागिता

हर वर्ष राष्ट्रपति भवन में देश भर से आए चुनिंदा बच्चों से भारत के राष्ट्रपति मुलाकात करते हैं। बाल दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति बच्चों का मनोबल बढ़ाते हैं और उन्हें उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चे भी इस मौके पर देश के प्रति अपने विश्वास और भविष्य में चुनौतियों का सामना करने की भावना को व्यक्त करते हैं। राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल का मानना है कि देश के विकास में बच्चों की शिक्षा और अनुशासन का अमूल्य योगदान होता है। उन्होंने देश के शिक्षकों एवं छात्रों की प्रशंसा करते हुए कहा था कि इनकी कड़ी मेहनत तथा संस्कृति ने दुनियाभर में देश का नाम रोशन किया है। देश के 11वें राष्ट्रपति (भूतपूर्व) डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम भी देश के विकास के लिए बच्चों का विकास आवश्यक मानते हैं। उन्होंने पद पर रहते हुए और बाद में भी कई मौकों पर यह संदेश दिया है कि देश का विकास बच्चों के हाथों में ही है। उन्होंने कहा था कि आज के साथ समझौता करने पर ही हम देश के बच्चों के लिए बेहतर कल दे सकेंगे। बच्चों के साथ उनके सवाल-जवाब पूरे देश में काफ़ी लोकप्रिय हैं।

जारी डाक टिकट

नेहरू जी ने अपने तमिल जानने वाले सचिव से कहकर सारे गुब्बारे ख़रीदवाए और वहां उपस्थित सारे बच्चों को वे गुब्बारे बंटवा दिए। ऐसे प्यारे चाचा नेहरू को बच्चों के प्रति बहुत लगाव था। नेहरू जी के मन में बच्चों के प्रति विशेष प्रेम और सहानुभूति देखकर लोग उन्हें चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करने लगे और जैसे-जैसे गुब्बारे बच्चों के हाथों तक पहुंचे बच्चों ने चाचा नेहरू-चाचा नेहरू की तेज़ आवाज़ से वहां का वातावरण उल्लासित कर दिया।

पंचायतीराज चुनाव के अंतिम चरण के लिए मतदान दल रवाना, 447 बूथों पर होगा मतदान

सेठ मोतीलाल कॉलेज से चार पंचायत समितियों के लिए रवाना हुईं पोलिंग पार्टियां, 4.12 लाख से अधिक मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

ईवीएम संचालन का दिया अंतिम प्रशिक्षण, मतदान दलों को निर्वाचन सामग्री उपलब्ध करवाकर किया रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के चौथे एवं अंतिम चरण के मतदान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार, 14 नवंबर को जिले की खेतड़ी, बबाई, मंडावा एवं अलसीसर पंचायत समितियों के साथ जिला परिषद के निर्धारित वार्डों में मतदान होगा। इसके लिए शुक्रवार को सेठ मोतीलाल कॉलेज परिसर से मतदान दलों को अंतिम प्रशिक्षण देने के बाद उनके निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। रवानगी से पूर्व मतदान दलों को निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही ईवीएम संचालन की हैंड्स ऑन प्रैक्टिस करवाकर मतदान प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। इसके बाद मतदान दलों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ईवीएम, बैलेट पेपर एवं अन्य आवश्यक निर्वाचन सामग्री उपलब्ध करवाई गई। सामग्री प्राप्त करने के बाद पोलिंग पार्टियां अपने-अपने मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुईं। मतदान दलों की सुविधा के लिए कॉलेज परिसर में वाहन पार्किंग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गईं।

मतदाता, उम्मीदवार और मतदान दलों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने बताया कि अंतिम चरण के मतदान को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं एवं मतदान व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया से जुड़े तीनों प्रमुख पक्षों–मतदाता, उम्मीदवार और मतदान दलों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे निर्भीक होकर अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें और लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी भागीदारी निभाएं। वहीं, उम्मीदवारों को निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान आचार संहिता एवं कानून के प्रावधानों की पालना करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था प्रभावित करने अथवा निर्वाचन प्रक्रिया में बाधा डालने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

39 सेक्टर एवं 16 एरिया मजिस्ट्रेट संभालेंगे व्यवस्था

मतदान प्रक्रिया के सुचारू संचालन एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 39 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 16 एरिया मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। खेतड़ी में 10, बबाई में 9, मंडावा में 9 तथा अलसीसर में 11 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को भी सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि जिले में इससे पहले संपन्न हुए मतदान के चरण शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से पूरे हुए हैं। अब प्रशासन, पुलिस, मतदान दलों, बीएलओ एवं पंचायत कार्मिकों की पूरी टीम चौथे और अंतिम चरण को भी सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए जुटी हुई है।

447 मतदान बूथों पर 4.12 लाख से अधिक मतदाता करेंगे मतदान

अंतिम चरण में जिले की चार पंचायत समितियों के 72 वार्डों तथा जिला परिषद के 12 वार्डों के लिए मतदान होगा। इसके लिए कुल 447 मतदान बूथ निर्धारित किए गए हैं। खेतड़ी पंचायत समिति में 122, बबाई में 101, मंडावा में 104 तथा अलसीसर में 120 बूथों पर मतदान करवाया जाएगा। इन चारों पंचायत समितियों में कुल 123 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए शनिवार, 14 नवंबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा। चौथे चरण में कुल 4 लाख 12 हजार 125 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें खेतड़ी पंचायत समिति के 1,12,275, बबाई के 94,750, मंडावा के 95,796 तथा अलसीसर के 1,09,304 मतदाता शामिल हैं। जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए मतदान शनिवार को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक होगा।

जींद जिले में एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमों को लेकर 20 नवंबर तक का पुलिस प्रशासन को दिया अल्टीमेटम -भीम आर्मी नेता अमित मूआल

जींद जिले में दलितों पर हो रहे अत्याचारों पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा होने पर भी उनकी अब तक गिरफ्तारी न होने से भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी में भारी रोष-सूत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.जींद/नरवाना।



विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)। आजाद जींद एसपी ऑफिस के कार्यालय के सम्मुख भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के जिला जींद प्रधान अमित मुआल हमीरगढ़ ने जींद जिले के सभी विधानसभा हल्कों के क्षेत्र से आए कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी के साथ एसपी कार्यालय के सम्मुख धरना देकर अपना विरोध दर्ज कराया। भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी के जिला प्रधान अमित मुआल हमीरगढ़ ने धरना प्रदर्शन के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि जींद जिले में कम से कम एक दर्जन मुकदमों में पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज करने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी न होना इस बात का संकेत करता रहा है कि भाजपा सरकार व स्थानीय पुलिस प्रशासन आरोपियों को बचाने में लगी हुई है। प्रधान अमित मुआल हमीरगढ़ ने आगे बताया कि दलितों के खिलाफ अत्याचार के मामले पर जींद पुलिस व हरियाणा सरकार पूरी तरह से मौन है तथा कई तो पोक्सो के मुकदमे में भी पुलिस द्वारा गिरफ्तारी न करना उनकी गलत मानसिकता को दर्शाता है। प्रधान अमित मोबाइल ने पुलिस अधीक्षक जींद को ज्ञापन में अल्टीमेटम दिया है और कहां की मुकदमे के नंबर के साथ पूरा रिकॉर्ड देते हुए उन्हें बताया कि जींद जिले में किसी भी थाने में दलितों को न्याय नहीं मिल रहा जिसकी वह किसी उच्च अधिकारी से जांच करवा कर स्थानीय पुलिसकर्मी जो लापरवाही कर रहे हैं उनके खिलाफ विभागीय जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

फतेहाबाद जिले के एडीसी अनुराग ढालिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में क्रीड के फ्री वाई फाई कनेक्शनों की समीक्षा

ग्रामीण सरकारी कार्यालयों में डिजिटल सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए एडीसी ने दिए दिशा-निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।



विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)। अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित एडीसी कार्यालय में शुक्रवार को ग्रामीण स्तर पर सरकारी कार्यालयों एवं संस्थानों में डिजिटल सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में नागरिक संसाधन सूचना विभाग (क्रीड) द्वारा आगामी दो वर्षों तक उपलब्ध करवाए गए फ्री वाई-फाई कनेक्शनों के संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में एडीसी ने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीण आंचल में स्थित सरकारी कार्यालयों तक डिजिटल पहुंच और इंटरनेट की सुविधा निर्बाध रूप से उपलब्ध हो सके, जिससे आम जनता से जुड़े कार्यों में और अधिक तेजी और पारदर्शिता आ सके। बैठक के दौरान निर्देश दिए गए कि सभी संबंधित विभाग यह पूरी तरह सुनिश्चित करें कि उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले ग्रामीण स्तर के सभी कार्यालयों एवं संस्थानों में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) द्वारा उपलब्ध करवाए गए फ्री वाई-फाई कनेक्शन पूरी तरह से सुचारू रूप से चालू हालत में रहें। इसके साथ ही जिन स्थानों पर वाई-फाई का डेटा उपयोग शून्य दर्शाया जा रहा है, उन मामलों में संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से स्थिति की जांच करने और कनेक्शन का नियमित उपयोग बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि इन डिजिटल सुविधाओं का वास्तविक लाभ धरातल पर मिल सके।

उन्होंने कहा कि यदि वाई-फाई कनेक्शन के संचालन में किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा या समस्या उत्पन्न होती है, तो संबंधित विभाग तुरंत बीएसएनएल के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-4444 पर अपनी शिकायत दर्ज करवाएं और उसका प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विभागों से कहा कि वे अपने अधीनस्थ सभी ग्रामीण कार्यालयों में इस डिजिटल सुविधा की उपलब्धता और उसके निरंतर उपयोग की नियमित मॉनिटरिंग करें, ताकि सरकार की डिजिटल इंडिया पहल का लाभ अंतिम छोर तक बैठे नागरिक तक पहुंच सके।

सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजनः विदुर चरित्र, ध्रुव चरित्र एवं जड़ भरत प्रसंग से भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा। कस्बे के फतेहपुर रोड स्थित मंडावा रिसोर्ट में दुगोलिया परिवार के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे





सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन भक्ति और अध्यात्म की अविरल गंगा प्रवाहित हुई। कथा का रसपान करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु, माताएं-बहनें एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिससे संपूर्ण पंडाल भक्तिमय हो उठा। कथा के द्वितीय दिवस का शुभारंभ विद्वान पंडितों के सान्निध्य में विधि-विधानपूर्वक पोथी पूजन (श्रीमद्भागवत पूजन) और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। मुख्य यजमानों ने व्यास पीठ की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। तत्पश्चात कथावाचक पं. श्रीकांत शर्मा ने अत्यंत सारगर्भित और मधुर वाणी में विदुर चरित्र, ध्रुव चरित्र तथा जड़ भरत की कथाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन किया। कथावाचक श्रीकांत शर्मा ने प्रमुख प्रसंगों का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा कि महाभारत काल के महाज्ञानी विदुर जी का जीवन त्याग, सत्यनिष्ठा और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने समझाया कि अहंकार और राजसी वैभव की अपेक्षा भगवान अपने भक्त के निश्छल प्रेम और सादगी के अधीन होते हैं। जिस प्रकार श्रीकृष्ण ने दुर्योधन के छप्पन भोग त्यागकर विदुर जी के घर साग-भाजी ग्रहण की, वह भक्त और भगवान के अटूट संबंध को दर्शाता है। उन्होंने ध्रुव चरित्र की कथा पर प्रकाश डालते हुए बालक ध्रुव की कठोर तपस्या का प्रसंग सुनाये। महाराज श्री ने कहा कि यदि मन में दृढ़ संकल्प और ईश्वर के प्रति सच्ची लगन हो, तो किसी भी आयु में असंभव को संभव बनाया जा सकता है। ध्रुव ने अपनी सौतेली माता के कटु वचनों से आहत होकर वन में जाकर ऐसी तपस्या की कि स्वयं भगवान नारायण को प्रकट होकर उन्हें अटल पद का वरदान देना पड़ा। इस दौरान राजा भरत के जड़ भरत बनने के प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने मोह-माया के बंधनों से मुक्त होने का संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अत्यधिक आसक्ति (मोह) मनुष्य के आध्यात्मिक पतन का कारण बनती है, अतः संसार में रहते हुए भी कमल के पत्ते की भांति निर्लिप्त रहकर प्रभु स्मरण करना चाहिए।

प्रवचन के दौरान पं. श्रीकांत शर्मा ने श्रीमद्भागवत महापुराण के श्रवण से मनुष्य को होने वाले आध्यात्मिक एवं सांसारिक लाभों पर विशेष प्रकाश डालते हुए बताया कि भागवत कथा के श्रवण मात्र से मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के संचित पाप नष्ट हो जाते हैं और अंतःकरण पूर्णतः शुद्ध हो जाता है। कथा जीव को आवागमन के चक्र से मुक्ति दिलाने वाली है। श्रद्धापूर्वक कथा सुनने वाले व्यक्ति को भय, शोक और सांसारिक क्लेशों से छुटकारा मिलता है। उन्होंने बताया कि कथा के दिव्य ज्ञान से व्यक्ति के विचार पवित्र होते हैं, परिवार में शांति और सद्भाव का वातावरण बनता है तथा जीवन को सही दिशा मिलती है। दुगोलिया परिवार ने समस्त क्षेत्रवासियों से आगामी दिनों में होने वाले दिव्य प्रसंगों का श्रवण कर धर्मलाभ उठाने का आग्रह किया है। कथा के विश्राम पर महाआरती के पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

बजरंग मांडल स्कूल टोहाना में अखिल भारतीय गायत्री परिवार का हुआ स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।



विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)। अखिल भारतीय गायत्री परिवार मथुरा से आए गायत्री परिवार शक्तिकुंज के प्रतिनिधि टोली प्रमुख भगत राम, कार्यकर्ता धनीराम व लालवास का गायत्री परिवार अखंड दीप व माता भगवती देवी अवतरण दिवस के उपलक्ष्य पर मथुरा से 24 तीर्थों का जल और रज जल क्लश की यात्रा हेतु बजरंग मॉडल स्कूल में पहुंचने पर स्वागत किया गया। स्वागतकर्ता प्रधान सीनियर सिटीजन परिषद टोहाना गोपाल दत्त शर्मा सचिव रामकुमार भाकर, प्रधान गायत्री परिवार तानसिंह व संरक्षक पंडित दर्शन शर्मा,प्रेम पिलानी व डायरेक्टर बजरंग मॉडल स्कूल के विनय वर्मा प्रिंसिपल अंजू वर्मा, स्कूल स्टाफ व बच्चों ने ने स्वागत किया। बजरंग मॉडल स्कूल में त्रिकुंडिय यज्ञ भी किया गया इस यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में सनियाना के स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के ब्रांच मैनेजर मनोज चौहान और उनकी धर्मपत्नी ने यज्ञ में पूर्ण आहुति दी और आज के दूषित वातावरण में यज्ञ की महिमा को वैज्ञानिक रूप से करने के लिए आह्वान किया।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने किया प्रदेशाध्यक्ष अर्चना गुप्ता और इंजीनियर सुनील सैन का अभिनंदन समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ)। भाजपा ओबीसी मोर्चा द्वारा भाटिया धर्मशाला में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अर्चना गुप्ता एवं ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष इंजीनियर सुनील सैन के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा व ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी ने अर्चना गुप्ता एवं इंजीनियर सुनील सैन का पगड़ी पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र बबली, पूर्व विधायक रविंद्र बलियाला एवं प्रदेश महामंत्री वेद फुल्लां विशेष रूप से उपस्थित रहे व उनका मार्गदर्शन भी मिला। मंच संचालन जिला महामंत्री विकास लालोढा व सुरेन्द्र सैनी ने किया। समारोह को संबोधित करते हुए अर्चना गुप्ता ने केंद्र एवं सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग के उत्थान, सम्मान और अधिकारों के लिए किए गए कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ओबीसी समाज को मुख्यधारा में आगे बढ़ाने और समाज के प्रत्येक वर्ग को उचित अवसर एवं भागीदारी देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर



तक मजबूत करने तथा 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' के संकल्प के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने ओबीसी मोर्चा द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम की सराहना करते हुए पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत समर्पित कार्यकर्ता हैं और सभी कार्यकर्ताओं को आपसी तालमेल एवं एकजुटता के साथ पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। ओबीसी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष इंजीनियर सुनील सैन ने भव्य आयोजन के लिए जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी एवं उनकी पूरी टीम की पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि जिस उत्साह और एकजुटता के साथ फतेहाबाद जिले में ओबीसी मोर्चा कार्य कर रहा है, वह संगठन के लिए सराहनीय है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इसी ऊर्जा के साथ समाज और संगठन के हित में निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी ने प्रदेश नेतृत्व एवं उपस्थित सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने पिछड़ा वर्ग समाज को राजनीतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक स्तर पर सम्मान और भागीदारी देने का सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि ओबीसी मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करने तथा सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेगा। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चा नगर मण्डल अध्यक्ष नसीब सैनी ने सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में नप चेयरमैन नरेश बंसल, वाईस चेयरपर्सन नीरू सैनी, मार्किट कमेटी भट्ठू चेयरमैन प्रदीप मण्डन, जगजीत हुड्डा, कुलबंत सैनी, जिला महामंत्री हवा सिंह, सुरेन्द्र सैनी, माखन जईया, दलबीर मताना, मंगा राम, राममेहर, जगजीत नडेल जाखल मण्डल अध्यक्ष मंगा राम, सुल्तान जांगड़ा, चंद्र सोनी, सुभाष गेदर, सुंदर जांगड़ा, दर्शन फतेहपुरी, विजय कम्बोज, विक्रम शर्मा, संजय रेवड़ी, संकेत गर्ग, मोहन सैनी, रोशन लाल, अनूप कुमार, स्वीटी मेहता, रमन मड़िया, लछमन सरपंच के साथ सैंकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अभिभावक सम्मेलन एवं भामाशाह सम्मान समारोह कल आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर मार्ग में रविवार 15 नवंबर को प्रातः 10.30 बजे से अभिभावक सम्मेलन एवं भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित होगा। अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कथा वाचक पंडित विजयशंकर मेहता के सानिध्य में आयोजित समारोह की अध्यक्षता उधोगपति रामनिरंजन डागा बैंगलोर करेंगे जबकि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान दिल्ली के मंत्री शिवप्रसाद मुख्य वक्ता व उधोगपति सुरेश कुमार -श्रीमति वीणा पारीक मुम्बई मुख्य अतिथि होंगे। समारोह में उधोगपति पवन कुमार डागा बैंगलोर, घनश्याम राठी इंदौर, श्रीजी लखोटिया दिल्ली, कमलेश सारडा किशनगढ़-मदनगंज, नंदकिशोर डागा अहमदाबाद, हरिप्रसाद सोमानी मुम्बई, भगवती प्रसाद काबरा रायपुर, सत्यनारायण काबरा कोलकाता, डॉ बृजमोहन वर्मा, मंत्री विद्या भारती संस्थान जयपुर, डॉ चेतन जोशी व्यवस्थापक भारतीय शिक्षा प्रसार समिति सीकर विशिष्ट अतिथि होंगे।

नारनौल के पशु अस्पतालों पर सीएम फ्लाइंग टीम की रेडः10 में 5 बंद मिले

25 में से 14 डॉक्टर- कर्मचारी गैरहाजिर, होगी कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज

नारनौल। महेंद्रगढ़ जिले में सीएम फ्लाइंग टीम रेवाड़ी और गुप्तचर विभाग की संयुक्त टीम ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में 10 राजकीय पशु अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया। टीम ने सुबह 9:30 बजे अस्पतालों को चेक किया। इस दौरान 5 पशु अस्पतालों में ताला लगा मिला, इन अस्पतालों के खुलने का निर्धारित समय सुबह 8:30 बजे है। वहीं अलग-अलग अस्पतालों में तैनात 25 कर्मचारियों में से 14 कर्मचारी गैरहाजिर पाए गए। उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में सीएम फ्लाइंग टीम रेवाड़ी की टीम ने पंचायती राज विभाग के



बीडीपीओ सिहमा सचिन को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में साथ लेकर निरीक्षण किया। टीम ने मंडाणा, पटीकरा, शोभापुर, बिगोपुर, कोरियावास, ढाणी बाठोठा, तोताहेड़ी-सिलारपुर, मांदी, घाटाशेर और हसनपुर के पशु अस्पतालों का निरीक्षण किया।

5 अस्पतालों पर मिला ताला

निरीक्षण के दौरान ढाणी बाठोठा, मांदी, घाटाशेर, कोरियावास और हसनपुर के पशु अस्पताल बंद मिले। इन अस्पतालों के मुख्य द्वार पर ताला लगा हुआ था। टीम ने बताया कि अस्पतालों के खुलने का समय सुबह 8:30 बजे निर्धारित है, लेकिन निरीक्षण के दौरान सुबह 9:30 बजे तक भी यहां कोई कर्मचारी मौजूद नहीं मिला।

शोभापुर और मंडाणा में भी कर्मचारी गैरहाजिर

शोभापुर पशु अस्पताल में तैनात 4 कर्मचारियों में से 2 कर्मचारी गैरहाजिर मिले। इसी तरह मंडाणा अस्पताल में तैनात 3 कर्मचारियों में से 1 कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं मिला। दूसरी ओर पटीकरा में तैनात 3, तोताहेड़ी-सिलारपुर में 2 और बिगोपुर में तैनात 2 कर्मचारी मौके पर मौजूद मिले। निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार, 10 अस्पतालों में कुल 25 कर्मचारी तैनात हैं, जिनमें से 14 कर्मचारी निरीक्षण के दौरान गैरहाजिर पाए गए। टीम ने निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति और अस्पतालों की स्थिति से संबंधित जानकारी दर्ज की।

शोभापुर में पशु चिकित्सा सेवाओं पर सवाल

रिपोर्ट के अनुसार, शोभापुर के राजकीय पशु अस्पताल में निरीक्षण के दौरान निर्धारित स्टाफ में से आधे कर्मचारी ही मौजूद मिले। स्थानीय स्तर पर यह भी बताया गया कि गांव शोभापुर में राजकीय पशु अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं के लिए अभी तक कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा था। औचक निरीक्षण के बाद अब संबंधित कर्मचारियों की गैरहाजिरी और अस्पतालों के निर्धारित समय पर नहीं खुलने को लेकर विभागीय स्तर पर कार्रवाई की संभावना है।

नामदेव फिनवेस्ट के 13वें स्थापना दिवस पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व नेत्र परीक्षण शिविर आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।



रक्तदान केवल एक दान नहीं बल्कि किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का सबसे बड़ा उपहार है तथा व्यक्ति के छोटे से प्रयास से किसी परिवार की खुशियों को फिर से लौटाया जा सकता है। इसी भावना और संकल्प के साथ देश की नामचीन फाइनेंस कंपनी नामदेव फिनवेस्ट के 13वें स्थापना दिवस पर 14 नवंबर शनिवार को प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक नामदेव हाउस, प्लॉट नं.21,नीर सागर ए, भांकरोटा जयपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है।

कंपनी प्रबंधन की ओर से मिली जानकारी के अनुसार नामदेव फिनवेस्ट अपने 13वें स्थापना वर्ष के गौरवशाली अवसर पर एक सामाजिक एवं पुनीत पहल के अंतर्गत विशाल स्वैच्छिक रक्तदान व निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा। शिविर में हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर एवं बीपी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। कंपनी प्रबंधन ने इस पुनीत व नेक कार्य में सहभागी बनकर रक्तदान करने व दूसरों को भी प्रेरित करने की अपील की है । कंपनी प्रबंधन की ओर से शिविर में रक्तदाताओं के लिए भोजन व्यवस्था की गई है।

सैनी रेलवे कर्मचारी अधिकारी संस्था के प्रतिनिधि मंडल का राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में लक्ष्मनगढ व सालासर का दौरा आज

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।



सैनी (माली) रेलवे कर्मचारी अधिकारी विकास संस्था के प्रतिनिधि मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सैनी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल शनिवार 14 नवंबर को चौमूं, लक्ष्मणगढ़ व सालासर के दौरें पर रहेगा। दौरे के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष सैनी के साथ संस्था के संरक्षक केएल भाटी, महासचिव हरजीत राम सैनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सैनी, कोषाध्यक्ष बृजेश कुमार सैनी, सहायक कोषाध्यक्ष मनोज सैनी, विधि सलाहकार मुकेश सैनी साथ रहेंगे। प्रतिनिधि मंडल दौरे के दौरान सालासर बालाजी के दर्शन एवं सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतिनिधि मंडल सड़क मार्ग से प्रातः 7.15 बजे रवाना होकर प्रातः 8.15 बजे चौमूं विधानसभा क्षेत्र के खेजरोली पहुंचेंगे जहां नवनिर्वाचित पालिकाध्यक्ष के सम्मान समारोह में शामिल होंगे। जहां से प्रातः 9.30 बजे रवाना होकर दोपहर 12.30 बजे लक्ष्मणगढ़ पहुंचेंगे। जहां राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड 44 में निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ का अवलोकन करेंगे तथा विधार्थियों से संवाद करेंगे। प्रतिदिन मंडल लक्ष्मणगढ़ से दोपहर 2 बजे रवाना होकर अपराह्न 3बजे सालासर पहुंचेंगे। जहां बालाजी महाराज के दर्शन कर मंगल कामना करेंगे। तथा वहां से शाम को 5.30 बजे रवाना होकर रात्रि 9.30 बजे जयपुर पहुंचेंगे।

सीकर के हुडेरा गांव में वोटिंग का बहिष्कार:ग्राम पंचायत मुख्यालय बदलने से ग्रामीणों में गुस्सा

अधिकारी समझाइश करने पहुंचे

भीम प्रज्ञा न्यूज



सीकर । सीकर जिले के हुडेरा गांव में ग्राम पंचायत का मुख्यालय बदलने के विरोध में ग्रामीणों ने 14 और 16 नवंबर को होने वाले पंचायतीराज चुनाव में मतदान का बहिष्कार कर दिया। पंचायतों के पुनर्गठन के समय राज्य सरकार ने ग्राम पंचायत का मुख्यालय बदलकर शेखीपुरा कर दिया था। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक ग्राम पंचायत मुख्यालय को दोबारा बहाल नहीं किया जाता, तब तक वे किसी भी चुनाव में वोट नहीं डालेंगे। मतदान बहिष्कार की सूचना मिलते ही निर्वाचन अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे।

60 साल पुराने मुख्यालय को बदलने से है रोष

ग्रामीणों का कहना है कि हुडेरा ग्राम पंचायत करीब 60 साल पहले बनी थी। हाल ही में हुए पंचायतों के पुनर्गठन के दौरान राज्य सरकार ने ग्राम पंचायत का मुख्यालय बदलकर शेखीसर कर दिया था। इस फैसले से ग्रामीणों में काफी नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय जरूरतों और जनभावनाओं को ध्यान में रखे बिना ये फेरबदल किया गया है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अधिकारियों की समझाइश और वार्ता रही विफल

हुडेरा ग्राम पंचायत में पंचायत राज चुनाव के अंतिम चरण के तहत 14 नवंबर को जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्यों और 16 नवंबर को पंच-सरपंच की वोटिंग होनी है। वोटिंग के बहिष्कार के बावजूद संबंधित स्ठरू ने अबतक वोटिंग करवाने को लेकर कोई जवाब नहीं दिया है। हालांकि प्रशासन के कर्मचारियों ने ग्रामीणों से समझाइश की कोशिश करते हुए वोट करने की अपील की है। ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े हुए हैं और प्रशासनिक अधिकारियों से पंचायत मुख्यालय हुडेरा करवाने की मांग पर अड़ी है।

सती दादी का भजनोत्सव कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।



माहेश्वरी भवन में सोमानी परिवार की सती दादी जी के 37वें वार्षिकोत्सव पर भजनोत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। रातभर चले दादी के कीर्तन में प्रसिद्ध भजन गायकों ने ल्याया थारी चुनरी करियो मां स्वीकार, आसरो दादी थारो है व गर जोर मेरो चाले हीरा मोत्या से नजर उतार दू जैसे सुंदर सुमधुर भजनों से दादी जी को रिझाया। भजनोत्सव में कथा वाचक विजय शंकर मेहता ने दीप प्रज्वल किया ।कीर्तन की शुरुआत सोमानी परिवार के सुरेन्द्र सोमानी जयपुर की गणेश वंदना से हुई। इस अवसर पर जयपुर की संगीत पार्टी , कान्हा बीकानेरी, रूप किशोर बीकानेर , राजपुरोहित कोलकाता, मामराज अग्रवाल जयपुर, पवन शर्मा निर्मल, विमल हरितवाल फतेहपुर आदि ने एक से बढ़कर भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। दादी जी के चुनरी, मेंहदी व श्रृंगार की धमाल पर भक्तगण झूम उठे। इस अवसर पर रामस्वरूप सोमानी, दिनेश सोमानी, राजकुमार सोमानी, महेश सोमानी, अनिल सोमानी, विष्णु सोमानी, उमेश सोमानी, संजय सोमानी, हरि सोमानी, आनंद सोमानी, जयप्रकाश सोमानी, प्रेम प्रकाश सोमानी, सुरेश काबरा, महेश काबरा, सुशील विनोद काबरा, रमेश काबरा, मांगीलाल काबरा, पवन बुटोलिया, दीपक जाजोदिया, राजेंद्र कुमार तोषनीवाल, विमल चिरानिया, रामप्रसाद जड़िया, मुरारी लाल डागा, पवन डागा, हरि सोमानी, बाबूलाल काबरा ,बजरंग काबरा ,सुशील जाजोदिया, लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, मनोज जालान, प्रमोद चिरानिया, पवन खादूवाला, पवन गोयनका, महेश चिरानिया, जयप्रकाश सरावगी, संजय जोशी, प्रमोद मंगलूनेवाला, संदीप बजाज', निशांत गोयनका, अशोक पुजारी, ललित पुरोहित, विष्णु शर्मा, राजेश बजाज, अरविंद गोटेवाला सहित काफी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

त्याग और धैर्य से ही परिवार और कुल की प्रतिष्ठा बढ़ेगी है : कथावाचक पंडित विजयशंकर मेहता

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।





यहां स्टेशन रोड़ स्थित शंकुतला वाटिका में डागा परिवार की ओर से आयोजित सात दिवसीय श्रीरामकथा के दूसरे दिन शुक्रवार को कथावाचक पं. विजयशंकर मेहता ने श्रीरामचरित मानस के अयोध्या कांड की मार्मिक व्याख्या की । उन्होंने सत्य को केंद्र में रखते हुए कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीरामचरितमानस के रूप में समाज को जो दिया है, उसमें सबसे अद्भुत देन है,परिवार के राम और हमारे हनुमान ।उन्होंने कहा राम संतों के रहे, विद्वानों के रहे, देवताओं के रहे, लेकिन तुलसीदास जी ने हमें परिवार में रहने वाले राम दिए हैं। राम जैसा पुत्र, राम जैसा भाई, राम जैसा पति और राम जैसा पिता। यही रामकथा की सबसे बड़ी प्रासंगिकता है। पं. मेहता ने कहा कि वास्तव में अयोध्या कांड मन के भ्रम को मिटाने का पहला सोपान है। जीवन का सत्य यहीं से आरंभ होता है। मनुष्य किस काम के लिए इस संसार में आया है, क्यों हमारा जन्म हुआ है? जिस दिन हम यह जान जाते हैं, उसी दिन जीवन का सत्य हमारे पास आ जाता है। उन्होंने कैकयी-मंथरा संवाद के प्रसंग की व्याख्या करते हुए कहा कि कुसंग किस प्रकार अच्छे-अच्छे लोगों की मति भ्रष्ट कर देता है और हंसते-खेलते परिवार को बिखेर देता है। इसलिए जीवन में संगति का बहुत बड़ा महत्व है। कथा में श्रीराम वनवास के निर्णय के मार्मिक प्रसंग पर पं. मेहता ने कहा कि धैर्य क्या होता है, यह माता कौशल्या से सीखा जाना चाहिए। कैकयी द्वारा श्रीराम को वनवास जैसी अनुचित मांग के विरोध में यदि कौशल्या हठ कर बैठतीं, तो जिस रघुवंश को आज सारा संसार पूजता है, वह कभी पूजा नहीं जाता। त्याग और धैर्य से ही परिवार और कुल की प्रतिष्ठा बढ़ती है। उन्होंने राम-सीता के दाम्पत्य जीवन की परस्पर समझ का उदाहरण देते हुए कहा कि पति-पत्नी के बीच संकेत सबसे अच्छी भाषा है। जिस दिन पति और पत्नी प्रेम से लबालब होते हैं, उस दिन मुंह से कुछ कहने की जरूरत नहीं होती। इशारे में ही सब कुछ समझ जाते हैं और समझा देते हैं।कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

झुंझुनूं नगर परिषद कार्मिकों का आंदोलन समाप्त : पुलिस-ठेकेदार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव, कोर्ट में जाएंगे कर्मचारी

भीम प्रज्ञा न्यूज



झुंझुनूं । नगर परिषद के कार्मिकों का आंदोलन समाप्त होने के साथ ही शुक्रवार को परिषद कार्यालय में कामकाज फिर से सुचारू हो गया। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ एवं सफाई मजदूर संघ के समर्थन में कार्मिकों की ओर से जारी प्रदर्शन को शहरवासियों की परेशानी और शहर की व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए वापस लेने का निर्णय लिया गया। आंदोलन समाप्त करवाने में राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष राजेश बजाड़ की अहम भूमिका रही। उनके प्रयासों के बाद कार्मिकों ने सर्वसम्मति से आंदोलन समाप्त करने का फैसला किया। आंदोलन समाप्त होने के बाद नगर परिषद कार्यालय में नियमित कामकाज शुरू हो गया। इससे पिछले दिनों से प्रभावित हो रहे आमजन से जुड़े कार्यों के दोबारा सुचारू होने की उम्मीद है। हालांकि, कार्मिकों ने स्पष्ट किया कि आंदोलन वापस लेने का मतलब संबंधित मामले को समाप्त करना नहीं है। कर्मचारियों ने बैठक में कोतवाली पुलिस और ठेकेदार सुभाष जेनेवा के खिलाफ सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव भी पारित किया।

ठेकेदार के खिलाफ अब इस्तगासे से दर्ज करवाएंगे मुकदमा

कार्मिकों ने ठेकेदार सुभाष जेनेवा के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि इस मामले में जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की गई थी, लेकिन इसके बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसको लेकर कर्मचारियों में रोष है। अब कार्मिकों ने ठेकेदार के खिलाफ न्यायालय में इस्तगासे के माध्यम से मुकदमा दर्ज करवाने का निर्णय लिया है। यानी आंदोलन समाप्त होने के बाद भी कर्मचारियों की ओर से कानूनी लड़ाई जारी रखी जाएगी।

जयपुर ट्रॉला हादसा-17 दिन बाद भतीजी की शादी,चाचा की मौत

प्लाईवुड कारोबारी की भी जान गई, भांजा बोला-मामा ने कहा जल्दी आता हूं,मौत की खबर आई

भीम प्रज्ञा न्यूज



जयपुर । जयपुर-दिल्ली हाईवे पर शुक्रवार को बेकाबू ट्रॉले ने कार, स्कूटी सहित पांच गाड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं परिवार में एकमात्र कमाने वाले एक युवक के पैर में फ्रैक्चर होने से परिवार पर आर्थिक संकट हो गया। हादसे में मारे गए हनुमान सहाय के घर में 17 दिन बाद भतीजी की शादी है। मौत की सूचना मिलते ही शादी की खुशियां गम में बदल गई। परिजनों ने कहा- अब कहने के लिए कुछ है ही नहीं। हादसे में पैदल जा रहे फागी-रेनवाल (रायपुरा तहसील माधोराजपुरा) निवासी हनुमान सहाय (40) को ट्रेलर ने रौंद दिया था। उनके चचेरे भाई मांगीलाल शर्मा ने बताया- परिवार में 1 दिसंबर को हनुमान सहाय की भतीजी की शादी है। हनुमान सहाय शादी की तैयारियों में लगे हुए थे। वहीं सीता विहार दादी का फाटक निवासी रमेश चंद्र शर्मा (57) ने भी हादसे के बाद हॉस्पिटल ले जाते समय दम तोड़ दिया। रमेश चंद्र के भांजे अविनाश कुमार तिवाड़ी ने बताया- मैं बचपन से ही मामा के पास रह रहा हूं। इसलिए मामा मुझसे ज्यादा प्यार करते थे। दिसंबर महीने में एनिवर्सरी थी। इसे मामा धूमधाम से मनाने वाले थे, लेकिन हमारी खुशियां मातम में बदल गईं।

ससुराल से घर आते समय हुआ हादसा

मांगीलाल शर्मा ने कहा- हनुमान सहाय और राजेंद्र दो भाई हैं। हनुमान सहाय खेती करते थे। उनके भाई राजेंद्र की बेटी की 1 दिसंबर को शादी है। परिवार खरीदारी और फंक्शन की तैयारियों में लगा था। शादी की जिम्मेदारी हनुमान सहाय निभा रहे थे। भाई की बेटी की शादी में उनकी उतनी ही भूमिका थी, जितनी स्वयं की बेटी में होती है। वे घर से 12 दिसंबर को चौमूं स्थित जटवाली गांव में अपनी ससुराल गए थे। शुक्रवार को घर आ रहे थे। जयपुर में हाईवे के पास खड़े थे। इसी दौरान ट्रॉले ने कुचल दिया। पुलिस ने बताया कि 14 नंबर रोड पर ट्रेलर हादसे में हनुमान सहाय की मौत हो गई। इतना सुनते ही मानों परिवार की खुशियों को ग्रहण लग गया। हनुमान सहाय के परिवार में पत्नी गुलाब देवी (48) और दो बेटे महेश शर्मा और अशोक शर्मा हैं। 2 बेटियों रोशन शर्मा और सुमन शर्मा की शादी हो गई है।

परिजन बोले- जल्दी आने के लिए कहा था, मौत की सूचना मिली

हादसे में कार सवार सीता विहार दादी का फाटक निवासी रमेश चंद्र शर्मा (57) भी ट्रेलर की चपेट में आ गए। घायल रमेश चंद्र ने हॉस्पिटल जाते समय दम तोड़ दिया। रमेश चंद्र शर्मा के भांजे अविनाश कुमार तिवाड़ी ने बताया- मामा रमेश मूलतः बस्सी रेलवे स्टेशन कॉलोनी के निवासी थे। मेरे मामा की कालाडेरा में प्लाईवुड फैक्ट्री है। इसके चलते दादी का फाटक पर उन्होंने एक घर बना रखा है। वे ज्यादातर यहीं रहते थे। वहीं जमीन खरीदने के सिलसिले में वे शुक्रवार को कार से दादी का फाटक स्थित घर से निकले थे। उन्हें किसी को साथ लेना था। इसलिए सर्विस लेन में गाड़ी बंद करके गाड़ी में बैठे थे। भांजे अविनाश कुमार ने बताया- मामा रमेश ने कहा था कि जल्दी वापस आता हूं, लेकिन हादसे के बाद उनकी मौत की सूचना मिली। अविनाश ने बताया- रमेश चंद्र की मां कौशल्या देवी (80), पिता ओमप्रकाश शर्मा (85), पत्नी पार्वती देवी और दो बेटियां हैं। बड़े बेटी रोशन शर्मा की शादी 5 साल पहले की थी। वहीं दूसरी बेटी खुशी शर्मा इस की तैयारी कर रही हैं। खुशी ने हाल ही आरएएस प्री-परीक्षा दी है।

कहा- पहले भी यहां हादसा हुआ, ट्रोले ने फिर लोगों को रौंद दिया

अविनाश कुमार तिवाड़ी ने बताया- हादसे के लिए सरकार-प्रशासन की व्यवस्थाएं जिम्मेदार हैं। पहले भी यहां बड़ा हादसा हुआ। ट्रोला ने पहले भी हादसा किया, आज फिर हुआ। ये हादसों का हॉट स्पॉट है। फिर भी सरकार और प्रशासन की ओर से कोई कदम नहीं उठाया जाता। ट्रोले बैखोफ होकर चलते हैं। ऐसे ही आम आदमी को रौंद देते हैं। पहले भी लोगों को ट्रोले ने रौंद दिया। आगे भी ऐसा ही चलता रहेगा, जब तक सरकार और प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठाती।

घायल ने कहा- कैब बाइक का इंतजार कर रहा था, ट्रेलर ने मारी टक्कर

सीकर के खंडेला के बामणवास निवासी घायल नवरंग (36) ने दर्द से कहराते हुए कहा- हाल में जयपुर में नौकरी के चलते नोडस स्कूल के पास लोहामंडी में किराये के मकान में रहने आया था। मैं ड्राई प्रिंटिंग का काम करता हूं। सुबह साढ़े 9 बजे वीकेआई स्थित काम करने की जगह गया था। फिर मुझे काम के मामले में सांगानेर जाना था। इससे पहले मैं लोहामंडी आया था। फिर यहां से मुझे सांगानेर जाना था, इसलिए मैंने उबर बाइक राइड बुक की थी। मैं गाड़ी का इंतजार कर रहा था कि इतने में ही ट्रेलर ने टक्कर मार दी।

6 फीट ऊपर उछला, 4 घंटे बाद आया होश

नवरंग ने बताया- परिवार में मैं इकलौता कमाने वाला हूं। परिवार में बूढ़े माता-पिता, पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं। उन्होंने कहा- हादसा इतना भयावह था कि कुछ समझ नहीं आया। ट्रेलर की टक्कर इतनी तेज थी कि मैं 5 से 6 फीट ऊपर उछला और 4 घंटे के बाद होश हॉस्पिटल में आया। डॉक्टरों ने ही बताया- मेरा पैर में फ्रैक्चर हुआ है। इसका ऑपरेशन होगा। अब मैं परिवार को कैसे पालूंगा।

कथावाचक जया किशोरी कथा के लिए आईं जयपुर:एयरपोर्ट पर सुरक्षा घेरे में आईं नजर

फ्लाइट टिकट पर लिखा था असली नाम जया शर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज



जयपुर । प्रसिद्ध कथावाचक और आध्यात्मिक वक्ता जया किशोरी कथा के लिए शुक्रवार को जयपुर पहुंचीं। एयरपोर्ट पर वह कड़ी सुरक्षा के बीच नजर आईं। इस दौरान उनके फ्लाइट टिकट पर दर्ज नाम भी चर्चा का विषय बना। टिकट पर जया किशोरी के बजाय उनका असली नाम जया शर्मा लिखा हुआ था। जया किशोरी कड़ी सुरक्षा के बीच एयरपोर्ट से बाहर निकलीं और बिना रुके अपनी गाड़ी से गंतव्य स्थान के लिए रवाना हो गईं। जानकारी के अनुसार, वे जयपुर में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आई हैं। मानसरोवर में एक स्थान पर उनकी कथा का आयोजन होना है। एयरपोर्ट पर जया किशोरी के साथ सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे। उनके बाहर निकलने के दौरान प्रशंसकों और यात्रियों के बीच भी उन्हें लेकर उत्सुकता दिखाई दी। हालांकि, उन्होंने एयरपोर्ट पर मीडिया से कोई बातचीत नहीं की और सीधे रवाना हो गईं। जया किशोरी का नाम देश की चर्चित कथावाचिकाओं, भजन गायिकाओं और मोटिवेशनल स्पीकर्स में शामिल हैं।

जया किशोरी का आध्यात्मिक सफर और लोकप्रियता

बचपन से ही जया किशोरी की रुचि भक्ति संगीत, धार्मिक कथाओं और आध्यात्मिक विषयों में रही है। महज 7 वर्ष की उम्र से उन्होंने आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत की थी। धीरे-धीरे भजन गायन और धार्मिक आयोजनों में उनकी भागीदारी बढ़ती गई और वे कथावाचन के क्षेत्र में पहचान बनाने लगीं। जया किशोरी विशेष रूप से श्रीमद्भागवत कथा और नानी बाई रो मायरो के कथावाचन के लिए जानी जाती हैं। उनकी कथा शैली में धार्मिक प्रसंगों के साथ जीवन से जुड़े व्यवहारिक संदेश भी शामिल होते हैं। वे अपनी कथाओं के माध्यम से परिवार, संस्कार, सकारात्मक सोच, धैर्य, आत्मविश्वास और जीवन में सही रास्ता चुनने जैसे विषयों पर बात करती हैं। उनकी भाषा सरल और सहज होती है, जिससे युवा वर्ग भी उनसे जुड़ता है। वे आध्यात्मिक प्रवचनों के साथ भजन गायन और मोटिवेशनल बातचीत के लिए भी लोकप्रिय हैं। उनके कई भजन सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर काफी पसंद किए जाते हैं। उनके आधिकारिक परिचय के अनुसार, वे अब तक सैकड़ों कथाएं और हजारों आध्यात्मिक कार्यक्रम कर चुकी हैं। वर्ष 2024 में उन्हें नेशनल क्रिएटर्स अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया में उपराष्ट्रपति जिब्रान ने दिया इस्तीफा, गहराया सियासी संकट

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो (जोकोवी) के 39 साल के बेटे जिब्रान के इस फैसले से राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और जोकोवी के बीच राजनीतिक गठबंधन पर संकट गहरा गया है। जिब्रान के सहयोगी बुडी एरी सेतियादी के मुताबिक, उन्होंने राष्ट्रपति को इस्तीफा सौंप दिया है। जिब्रान की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठने के बाद उनका राजनीतिक संकट बढ़ गया था। सुप्रीम कोर्ट ने उनका शैक्षणिक समकक्षता प्रमाण पत्र रद्द कर दिया। वहीं, करीब 120 सांसदों ने उनके खिलाफ महाभियोग की मांग की है। इस्तीफे के बाद संसद का उच्च सदन खाली पद की घोषणा कर 60 दिनों के भीतर नए उपराष्ट्रपति का चुनाव कराएगा। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, प्राबोवो और जोकोवी का गठबंधन टूटने से सरकार की अस्थिरता बढ़ सकती है। जब पहले से ही सरकार आर्थिक नीतियों, निवेशकों के घटते भरोसे और मुफ्त स्कूली भोजन योजना से जुड़े विवादों का सामना कर रही है।

ट्रंप की जांच पर गार्सिया ने व्हाइट हाउस की चेतावनी ठुकराई

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की ओवरसाइट समिति के आगामी अध्यक्ष रॉबर्ट गार्सिया ने बुधवार (स्थानीय समय) कहा है कि उन्हें व्हाइट हाउस की तरफ से चेतावनी नहीं मिली है। यह चेतावनी डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों पर संभावित कानूनी कार्रवाई और यूएस कांग्रेस की तरफ से की जाने वाली जांच से जुड़ी है। गार्सिया ने सीएनएन को बताया कि डेमोक्रेट ट्रंप प्रशासन की जांच से डरेंगे नहीं। उन्होंने जनवरी में समिति का नियंत्रण संभालने पर आक्रामक तरीके से निगरानी का संकल्प भी दोहराया। रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस ने गार्सिया को पत्र भेजकर सांविधानिक सीमाओं से बाहर जांच न करने की चेतावनी दी है। हालांकि, एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि गार्सिया को वह पत्र नहीं मिला है। व्हाइट हाउस के वकील विल शार्फ ने पत्र में सांसदों से सांविधानिक सीमाओं के भीतर जांच करने की अपेक्षा की।

लॉस एंजिलिस सिटी अटॉर्नी चुनी गईं भारतीय मूल की मारिसा रॉय



वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की वकील मारिसा रॉय अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर की सिटी अटॉर्नी चुनी गई हैं। मेयर-इलेक्ट नित्या रमन के साथ ही भारत से जुड़ीं दो महिलाएं अब शहर के तीन प्रमुख निर्वाचित पदों में से दो पर काबिज होंगी। कैलिफोर्निया की डिप्टी अटॉर्नी जनरल रॉय ने पिछले सप्ताह हुए दूसरे चरण के चुनाव में डिप्टी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जॉन मैककिनी को हराया। उनकी मां भारत से अमेरिका आकर बसी थीं। चुनाव प्रचार के दौरान रॉय ने अपने परिवार के प्रवासी अनुभव को प्रमुखता से उठाया था। 'लॉस एंजिलिस टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, रॉय की जीत और जून में दोबारा निर्वाचित हुए फिलिपिनो-अमेरिकी सिटी कंट्रोलर केनेथ मेजिया के साथ अब शहर के तीनों प्रमुख निर्वाचित पदों पर एशियाई-अमेरिकी प्रतिनिधित्व होगा। यह लॉस एंजिलिस के इतिहास में पहली बार है। रॉय ने अखबार से कहा, ''मुझे लगता है कि यह केवल एशियाई-अमेरिकी समुदाय ही नहीं, बल्कि प्रवासी समुदाय के लिए भी एक बेहद महत्वपूर्ण क्षण है। एक प्रवासी पृष्ठभूमि की मेयर और एक प्रवासी की बेटी का सिटी अटॉर्नी बनना लॉस एंजिलिस की ओर से यह संदेश है कि वह किस तरह का शहर है।' उन्होंने बताया कि भारत में रह रहे उनके रिश्तेदारों ने चुनाव पर करीबी नजर रखी थीं और जीत के बाद उन्हें व्हाट्सऐप पर बधाई संदेश भेजे। रॉय एशियन डेमोक्रेट्स ऑफ लॉस एंजिलिस काउंटी की संस्थापक बोर्ड सदस्य भी हैं। उनके चुनाव अभियान को कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा और सैन फ्रांसिस्को के सिटी अटॉर्नी डेविड चिउ का समर्थन मिला था।

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में ढही 96 साल पुरानी तीन मंजिला रिहायशी इमारत

2 की मौत, 10 घायल, मलबे से गर्भवती महिला समेत दो को सुरक्षित बाहर निकाला



न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर के ब्रुकलिन इलाके में बुधवार शाम एक तीन मंजिला रिहायशी इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 2 की मौत हो गई है, जबकि 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट और आपदा प्रबंधन दलों ने मलबे में दबे छह महीने की गर्भवती महिला समेत दो लोगों को जीवित बाहर निकाल लिया है। फिलहाल मलबे के नीचे अन्य लोगों के दबे होने की आशंका के चलते युद्धस्तर पर तलाशी और बचाव अभियान जारी है। 1930 में बनी थी इमारत, चार परिवारों का था निवास हादसे का समयः न्यूयॉर्क सिटी फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब चार बजे के तुरंत बाद ब्रुकलिन स्थित इस इमारत के गिरने की सूचना प्राप्त हुई।

इमारत का इतिहास: वर्ष 1930 में निर्मित इस तीन मंजिला रिहायशी भवन में चार फ्लैट बने हुए थे। बगल में चल रहा था निर्माण कार्यः घटनास्थल की ड्रोन तस्वीरों में स्पष्ट दिख रहा है कि ध्वस्त हुई इमारत का मलबा ठीक बगल में चल रहे एक निर्माण स्थल (कंस्ट्रक्शन साइट) के गहरे गड्ढे में जा गिरा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, घायलों में बगल की साइट पर काम कर रहे निर्माण मजदूर भी शामिल हैं।

रेस्क्यू ऑपरेशनः बाल्टियों से हटाया जा रहा मलबा, खोजी कुत्तों की मदद

गर्भवती महिला को सुरक्षित निकालाः हादसे के बाद मौके पर दर्जनों दमकलकर्मी, बचाव दल और खोजी श्वान (स्निफर डॉग्स) तैनात किए गए। इमारत का ढांचा अस्थिर होने के कारण बचावकर्मी बेहद सावधानी बरतते हुए हाथों और बाल्टियों के जरिए मलबा हटाते नजर आए। इस दौरान एक महिला को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने स्थानीय चैनल से बातचीत में उम्मीद जताई कि बचाई गई महिला उनकी पत्नी हैं, जो छह महीने की गर्भवती हैं। उन्होंने राहत की सांस लेते हुए कहा, 'मैं बहुत खुश हूं।'

एक अन्य व्यक्ति का भी रेस्क्यू: महिला के बाद बचाव दल ने मलबे से एक और व्यक्ति को जीवित बाहर निकालने में सफलता हासिल की। घायलों की स्थितिः फायर डिपार्टमेंट की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, इन दोनों लोगों को निकालने से पहले तक कुल 10 घायलों की पुष्टि हुई थी, जिनमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि छह लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

अप्रैल में नियम तोड़ने का मामला सामने आया था

स्थानीय न्यूज चैनल के मुताबिक न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के रिकॉर्ड में इसी निर्माण स्थल पर अप्रैल में नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। आरोप था कि काम रोकने का आदेश मिलने के बावजूद वहां निर्माण कार्य जारी रखा गया। यह वही जगह थी, जिसके बगल में तीन मंजिला इमारत ढही। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक पुराने



उल्लंघन और इस हादसे के बीच किसी सीधे संबंध की पुष्टि नहीं की है।

खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद से लोगों की तलाश जारी

हादसे के बाद दमकल विभाग की करीब 250 लोगों की टीम बचाव अभियान में लगाई गई। दमकलकर्मियों ने मलबे में फंसे लोगों को खोजने के लिए खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद ली। शाम करीब 6:30 बजे बचावकर्मियों को मलबे में बने एक गड्ढे से एक व्यक्ति जिंदा मिला। दमकलकर्मियों ने उसे एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों के मुताबिक, अभी यह पता नहीं है कि कुल कितने लोग लापता हैं। दमकल विभाग की प्रमुख लिलियन बोनसिग्नोर ने बताया कि दूसरी इमारत गिरने का खतरा भी है। इसलिए बचाव अभियान में काफी सावधानी बरती जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, अभियान कई दिनों तक चल सकता है।

हादसे के बाद आसपास की इमारतों की जांच शुरू

हादसे के बाद न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास की इमारतों की जांच शुरू की। हादसे में बगल की इमारत की एक दीवार पूरी तरह टूट गई थी। प्रशासन ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए सहायता केंद्र भी बनाया है। मेयर जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया पर कहा कि राहत और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने हादसे से प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों के प्रति संवेदना जताई।



न्यूयॉर्क में सुनीता विलियम्स का खास सम्मान, बनीं ग्रैंड मार्शल, 20 हजार लोगों की परेड का किया नेतृत्व

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को 'पूर्व सैनिक दिवस' परेड के दौरान 'ग्रैंड मार्शल' के रूप में सम्मानित किया गया। यह परेड पूर्व सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित की जाती है। नौसेना की सेवानिवृत्त कैप्टन सुनीता विलियम्स ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को मैनहट्टन के फिफ्थ एवेन्यू पर 20,000 लोगों की परेड का नेतृत्व किया। सुनीता विलियम्स ने कहा कि 'ग्रैंड मार्शल' बनना उनके लिए 'एक बहुत बड़ा सम्मान' है। उन्होंने याद करते हुए कहा, नौसेना में बिताए समय ने मुझे वह बनाया है जो मैं आज हूं, और इसने मुझे आगे आने वाली हर चुनौती के लिए तैयार किया। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं न्यूयॉर्क के लोगों और पूरे अमेरिका के नागरिकों के साथ मिलकर, हर पीढ़ी के पूर्व सैनिकों की सेवा, बलिदान और समर्पण का सम्मान कर रही हूं। नासा से जुड़ने से पहले, विलियम्स एक टेस्ट पायलट थीं। उन्होंने अंतरिक्ष में तीन मिशनों के दौरान कुल 608 दिन बिताए और एक महिला के रूप में सबसे अधिक नौ बार स्पेस वॉक करने का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें उन्होंने कुल 62 घंटे अंतरिक्ष में बिताए। यह 107वीं वार्षिक 'पूर्व सैनिक दिवस' परेड थी। इसमें हजारों पूर्व सैनिकों के साथ-साथ सशस्त्र बलों, स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों, सामुदायिक समूहों और स्कूलों के दलों ने हिस्सा लिया, और कई बैंड भी शामिल हुए। परेड में कई कंपनियों की झांकियां थीं, जिनमें उनके यहां काम करने वाले पूर्व सैन्य कर्मियों को दिखाया गया था। परेड से एक दिन पहले, विलियम्स ने 'यूएसएस सैन एंटोनियो' जहाज पर मरीन कॉर्प्स की स्थापना की 251वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में भाग लिया।

पाकिस्तान में पुलिस टीम पर हमला, 11 की मौत

अवैध सोने की खदान पर छापेमारी करने गए थे, हमलावरों ने पहाड़ियों से गोलियां बरसाईं

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को आतंकियों ने पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला कर दिया। इसमें एक डीएसपी और एक सब-इंस्पेक्टर समेत 11 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। पुलिस टीम अवैध सोने के खनन के खिलाफ छापेमारी करने जा रही थी। इसी दौरान कोहाट और करक के बीच दरबोकाच इलाके में हमलावरों ने उसे निशाना बनाया। हमलावर आसपास की पहाड़ियों पर छिपे थे। घटना कोहाट जिले के गंबत इलाके की है। हमले में पुलिस की 5 गाड़ियों को आग लगा दी गई। अचानक हुई गोलीबारी से पुलिस टीम को संभलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद पुलिस और हमलावरों के बीच भारी गोलीबारी हुई।

पुलिस ने टीटीपी पर हमले का आरोप लगाया

हमले के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल और सुरक्षा जवान भेजे गए। पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। घायलों के इलाज के लिए जिला मुख्यालय टीचिंग अस्पताल में इमरजेंसी घोषित की गई। पुलिस ने हमले के पीछे प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े आतंकियों का हाथ बताया है। टीटीपी को



पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है। यह पाकिस्तान में सक्रिय एक आतंकी संगठन है, जो पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ लड़ता है। टीटीपी पाकिस्तान में इस्लामी कानून यानी शरिया लागू करना चाहता है।

खुदाई मशीनें खड़ी करने पर रोक लगी थी

कोहाट में अवैध तरीके से सोना निकालने पर रोक लगाने के लिए प्रशासन पहले से कार्रवाई कर रहा था। हमले से एक दिन पहले ही डिप्टी कमिश्नर ने खनन वाले इलाकों में 60 दिनों तक खुदाई की मशीनें खड़ी करने पर रोक लगा दी थी। प्रशासन का कहना था कि कुछ लोगों ने खनन वाले इलाकों के पास अपने घरों में ये मशीनें खड़ी कर रखी थीं। इनका इस्तेमाल चोरी-छिपे सोना निकालने में किया जा सकता था। कई बार कार्रवाई के बाद भी लोग इन मशीनों का इस्तेमाल अवैध खनन के लिए कर रहे थे। इसके अलावा, प्रशासन ने खुले डिब्बों और बोतलों में पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधन बेचने और खरीदने पर भी रोक लगा दी थी। अधिकारियों के मुताबिक, अवैध तरीके से सोना निकालने के काम में इनका इस्तेमाल किया जा रहा था।

खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस पर बढ़े आतंकी हमले

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमलों का सिलसिला जारी है। पिछले एक महीने में यहां कई बार पुलिस को निशाना बनाया गया है। इन हमलों में कई पुलिसकर्मियों की जान जा चुकी है, जबकि कई घायल हुए हैं।

3 नवंबर: मोहम्मद जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी की। इसमें 2 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हुआ।

29 अक्टूबर: बाजौर जिले में आतंकियों ने पुलिस चौकी पर हमला किया। इसमें एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई।

20 अक्टूबर: उत्तरी वजीरिस्तान में मीरानशाह बाईपास रोड के पास गोलीबारी में एक अतिरिक्त थाना प्रभारी की मौत हो गई।

7 अक्टूबर: कोहाट में आतंकियों ने पुलिस चेकपोस्ट को निशाना बनाया। इस हमले में 7 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

समाधि के पास ठहाके लगाना पड़ा भारी, अमेरिकी गार्ड ने रोका

रक्षा मंत्री हेगसेथ की टीम को सुनाई खरी-खरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में वेटरंस डे समारोह के बाद एक ऐसी घटना हुई, जिसने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को चर्चा में ला दिया। दरअसल, अमेरिकी रक्षा मंत्री अपनी पत्नी जेनिफर और वरिष्ठ सहयोगियों के साथ अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में अज्ञात सैनिक की समाधि के पास तस्वीरें खिंचवाने पहुंचे थे। इसी दौरान उनके समूह के कुछ सदस्य हंसते और आपस में बातचीत करते नजर आए। वहां तैनात अमेरिकी सेना के एक संतरी ने उन्हें तुरंत टोक दिया और स्मारक की गरिमा बनाए रखने की याद दिलाई। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना बुधवार को स्थानीय समय के अनुसार हुई।



संतरी ने क्या कहकर रोका? : संतरी उस समय स्मारक की निगरानी कर रहा था। समूह के कुछ लोगों को हंसते और बातचीत करते देखकर उसने उन्हें नियमों की याद दिलाई। उसने साफ शब्दों में कहा, 'सभी आगंतुक हर समय शांति और सम्मान का माहौल बनाए रखें।' यह पूरा घटनाक्रम एक वीडियो में भी सामने आया है। इस समूह में हेगसेथ के अलावा उनकी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार एवं डिप्टी असिस्टेंट टैमी राडाबॉ शामिल थे। घटना सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने संतरी की कार्रवाई को सही बताया। उन्होंने कहा कि सैनिक ने स्मारक पर आने वाले लोगों को वहां की गरिमा बनाए रखने की उचित तरीके से याद दिलाई। पार्नेल के मुताबिक, रक्षा मंत्री और पूरा रक्षा विभाग अमेरिकी सैनिकों के बलिदान का हमेशा सम्मान करता आया है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस गंभीर दिन को याद करते हुए एक सैनिक ने सभी को मर्यादा बनाए रखने की सही और सम्मानजनक तरीके से याद दिलाई।'

अज्ञात सैनिक की समाधि इतनी खास क्यों है?: अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान में स्थित अज्ञात सैनिक की समाधि अमेरिका के सबसे पवित्र सैन्य स्मारकों में गिनी जाती है। यहां प्रथम विश्व युद्ध में मारे गए एक ऐसे अमेरिकी सैनिक को अंतिम विदाई दी गई थी, जिसकी पहचान नहीं हो सकी थी। इस समाधि की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिकी सेना की थर्ड इन्फैंट्री रेजिमेंट के जवान संभालते हैं। इसे 'द ओल्ड गार्ड' के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 1948 से यहां लगातार संतरी तैनात हैं।



स्पेन में आवास संकट के खिलाफ 14 साल बाद पहली बार राष्ट्रव्यापी हड़ताल

सड़कों पर उतरे लाखों लोग

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में गहराते आवास संकट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन में लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए। यह पिछले 14 वर्षों में देश की पहली आम हड़ताल है। प्रदर्शनकारियों ने मकानों और किराये की बढ़ती कीमतों, किफायती आवास की कमी और आवास बाजार में आम लोगों की घटती पहुंच के खिलाफ आवाज उठाई। हड़ताल के जरिए श्रमिकों और सामाजिक संगठनों ने सरकार से आवास को केवल निवेश और मुनाफे का साधन मानने के बजाय बुनियादी अधिकार के रूप में सुनिश्चित करने की मांग की। प्रमुख स्पेनिश दैनिक अल पायस में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को हुई 24 घंटे की इस हड़ताल में देश के प्रमुख श्रमिक संगठनों यूजीटी और सीसीओओ के साथ किरायेदार संगठनों ने भी हिस्सा लिया। किरायेदार संगठनों का आरोप है कि मकानों की बढ़ती कीमतों, बेदखली और अल्पकालिक किराये पर मकान देने की प्रवृत्ति ने आम लोगों के लिए घर खरीदना और किराये पर लेना मुश्किल कर दिया है। किरायेदार संगठनों के मुताबिक, दोपहर तक करीब 40 लाख लोग हड़ताल में शामिल हो चुके थे। श्रमिक संगठनों ने ऑटोमोबाइल और बंदरगाह क्षेत्रों में 90 प्रतिशत, मांस उद्योग में 85 प्रतिशत और कचरा संग्रहण क्षेत्र में 82 प्रतिशत भागीदारी का दावा किया। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में हड़ताल का असर एक समान नहीं रहा। राजधानी मैड्रिड और बार्सिलोना में हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। कई दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि सार्वजनिक परिवहन सेवाएं प्रभावित हुईं।

ट्रंप-नेतन्याहू के बीच तीखी बहस का दावा, फोन पर बातचीत चिल्लाने तक पहुंची

ईरान पर कार्रवाई को लेकर उभरे मतभेद

यरुशलम, एजेंसी। ईरान के खिलाफ युद्ध की आगे की रणनीति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच तनाव की खबरें सामने आई हैं। इस्राइली मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत तीखी बहस में बदल गई। इस दौरान दोनों के बीच ईरान को लेकर अमेरिकी और इस्राइली रणनीति पर मतभेद सामने आए। इस्राइल के समाचार संस्थानों येनेट और येदियोत अहरोनोत की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने ट्रंप पर ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई शुरू करने का दबाव बनाया। वहीं, ट्रंप ने तेहरान के साथ चल रही शांति वार्ता को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

दोनों नेताओं के बीच किस बात पर मतभेद? : रिपोर्टों के मुताबिक, नेतन्याहू लगातार अमेरिका से ईरान पर फिर हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की दिशा में कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। दूसरी ओर, ट्रंप सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के पक्ष में नहीं हैं। वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाए रखकर कूटनीतिक बातचीत के जरिए रियायतें हासिल करना चाहते हैं। दोनों मीडिया संस्थानों ने सूत्रों के हवाले से बातचीत को बेहद तीखी बताते हुए इसे 'शाउटिंग मैच फ्रॉम हेल' यानी तीखी बहस कहा। हालांकि, इस्राइल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दोनों नेताओं के बीच सप्ताहांत में बातचीत होने की पुष्टि की, लेकिन किसी टकराव से इनकार किया। नेतन्याहू के कार्यालय ने भी बातचीत के दौरान झगड़े की खबरों को खारिज किया। कार्यालय ने इन रिपोर्टों को

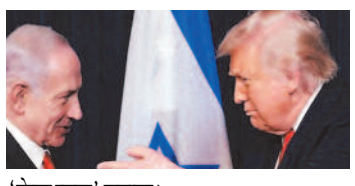

'फेक न्यूज' बताया।

पहले भी फोन पर हुई थी तीखी बातचीत : ट्रंप और नेतन्याहू के बीच ईरान संघर्ष को लेकर पहले भी फोन पर तीखी बातचीत हो चुकी है। जून में दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर असहमति सामने आई थी। उस दौरान ट्रंप ने द पोस्ट से बातचीत में कहा था कि एक फोन कॉल के दौरान उन्होंने नेतन्याहू को अपशब्द बोलते हुए पागल कहा था। फाइनेंशियल टाइम्स ने भी कुछ दिन पहले रिपोर्ट दी थी कि नेतन्याहू ट्रंप को रोजाना फोन कर ईरान के खिलाफ पूर्ण सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं। अक्तूबर चुनाव के बाद नेतन्याहू की स्थिति पर भी अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, आम चुनाव में सीटें गंवाने के बाद उनकी राजनीतिक स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं नेतन्याहू : नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ दोबारा हमले शुरू करने और वहां सत्ता परिवर्तन की मांग जारी रखी है। मंगलवार को 26वीं नेसेट विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान के नेतृत्व को बदलना ही उस खतरे को खत्म करने का एकमात्र रास्ता है, जिसे वह तेहरान का आतंक बताने वाली नीति और परमाणु कार्यक्रम से जोड़ते हैं। नेतन्याहू ने कहा, 'ईरान परमाणु खतरे को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा है। इस अस्तित्व के खतरे को स्थायी रूप से खत्म करने का एकमात्र तरीका अयातुल्ला शासन को हटाना है।'

ट्रंप ने फिर युद्ध शुरू करने से किया इनकार

नेतन्याहू की मांगों के बावजूद ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध दोबारा शुरू करने के संकेत नहीं दिए हैं। वह आर्थिक दबाव अभियान जारी रखकर ईरान को बातचीत की मेज पर रियायतें देने के लिए मजबूर करना चाहते हैं। रविवार को '60 मिनट्स' कार्यक्रम में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह ईरान के खिलाफ युद्ध फिर शुरू करेंगे, तो उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा करने का कोई कारण नहीं दिखता। रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच हालिया बातचीत ने ईरान को लेकर उनकी अलग-अलग रणनीतियों को उजागर किया है। नेतन्याहू सैन्य कार्रवाई और सत्ता परिवर्तन पर जोर दे रहे हैं, जबकि ट्रंप कूटनीति और आर्थिक दबाव को प्राथमिकता दे रहे हैं।

'यह पूरी तरह से बकवास है', 'सैंडपेपर विवाद' पर ख्वाजा के दावों को लेकर खुलकर बोले पैट कमिंस

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने 'सैंडपेपर विवाद' को लेकर किए गए उस्मान ख्वाजा के दावों को पूरी तरह से गलत और बकवास बताया है। ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में खुलासा किया कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में हुई बॉल-टैम्परिंग की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। ख्वाजा की बुक में लगाए गए आरोपों का जवाब देने के लिए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने सिडनी के 'क्रिकेट सेंट्रल' में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने 68 मिनट तक चली इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में ख्वाजा के दावों का कड़ा खंडन किया कि पूरी टीम को पता था कि गेंद के साथ छेड़छाड़ करने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कमिंस ने कहा, 'जब वह कहते हैं कि हम सब जानते थे और अगर उनका मतलब यह है कि हमें पता था कि मैदान पर सैंडपेपर ले जाया जा रहा है, तो वह 100



प्रतिशत गलत हैं। मैंने पिछले 8 वर्षों से लगातार यही कहा है कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मगर मुझे लगता है कि उस्मान ने जो बातें कही हैं, वे उससे कहीं ज्यादा गंभीर हैं। '

कमिंस ने आगे कहा, 'उनका कहना है कि मैं और बाकी लोग सैंडपेपर से बॉल-टैम्परिंग करने की साजिश के मुख्य सूत्रधार थे। यह पूरी तरह से बकवास है। मुझे इस हफ्ते तब बहुत बड़ा झटका लगा, जब पता चला कि उस्मान ने खुद माना है कि उन्होंने बैनक्राफ्ट से कहा था कि सैंडपेपर का इस्तेमाल करते समय सावधान रहना। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिन्हें मैं जानता हूं। यह वह उस्मान नहीं हैं, जिनके बारे में मैं सोचता हूं, या जो उस टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पिछले 8 वर्षों में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट संस्कृति को फिर से बनाने में मदद की है। उस्मान मेरे दोस्त हैं, लेकिन दोस्त एक-दूसरे की जिंदगी और साख के साथ इतनी लापरवाही नहीं बरतते। '

'सैंडपेपर विवाद' पर कमिंस की प्रेस कॉन्फ्रेंस का लैंगर ने किया समर्थन, बोले- फिर से संकट में है ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट



पर्थ । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हेड कोच जस्टिन लैंगर ने 'सैंडपेपर-गेट' मामले पर मीडिया के सामने आकर अपना पक्ष रखने के पैट कमिंस के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा टेस्ट कप्तान का अपना पक्ष रखना सही था, खासकर ऐसे समय में जब 2018 के इस स्कैंडल ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में फिर से तूफान खड़ा कर दिया है। उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' के आने के बाद केप टाउन बॉल-टैम्परिंग मामले पर फिर से सवाल उठने लगे हैं, जिसके चलते शुक्रवार को कमिंस ने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कमिंस ने इस बात से इनकार किया कि उन्हें बॉल पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पहले से कोई जानकारी थी या वह इसमें शामिल थे। उन्होंने ख्वाजा के इस दावे को भी पूरी तरह से बकवास करार दिया कि केप टाउन में क्या हो रहा था, इसके बारे में पूरे ऑस्ट्रेलियाई खेमे को पता था।

लैंगर ने कहा कि कमिंस ने बिल्कुल सही कदम उठाया है। 'सेन रेडियो' पर लैंगर ने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्होंने वही किया जो उन्हें करना चाहिए था।

कोहली-रोहित जीरो पर आउट

कप्तान अय्यर का भी नहीं खुला खाता, भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही है। टीम के तीन बल्लेबाज पहले ही ओवर में बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। मैट हेनरी ने भारतीय पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को जीरो पर आउट किया। हेनरी की गेंद को रोहित फिन एलन के हाथों में मार बैठे, तो विराट कोहली क्लीन बोल्ड हुए। वहीं, ओवर की



आखिरी गेंद पर कीवी तेज गेंदबाज ने श्रेयस अय्यर को एलबीडब्ल्यू करते हुए पवेलियन भेजा। भारतीय टीम ने अपने पहले तीन विकेट स्कोरबोर्ड पर बिना कोई रन लगाए गंवाए। भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में यह पहला मौका है, जब टीम इंडिया ने बिना कोई रन बनाए ही अपने शुरुआती तीन विकेट गंवाए हैं। इसके साथ ही वनडे क्रिकेट में यह महज पांचवां मौका है, जब किसी टीम ने अपने तीन विकेट बिना कोई रन बनाए गंवाए हैं। साल 2010 के बाद यह पहला मौका है, जब विराट कोहली और रोहित शर्मा एक साथ वनडे क्रिकेट में जीरो पर आउट हुए हैं। इससे पहले, 2010 में श्रीलंका के खिलाफ खेलते हुए कोहली-रोहित एक ही मैच में जीरो पर आउट हुए थे। ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। वनडे क्रिकेट में यह महज दूसरा मौका है, जब भारतीय टीम ने अपने 4 विकेट 10 रनों के भीतर गंवाए हैं। इससे पहले, साल 1983 में जिम्बाब्वे के खिलाफ टीम इंडिया ने अपने शुरुआती चार विकेट 10 रनों के अंदर गंवाए थे।

7 बल्लेबाज नहीं छू सके दहाई का आंकड़ा

रनों के लिहाज से टीम इंडिया की वनडे में दूसरी सबसे बड़ी हार

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को चौथे वनडे मुकाबले में 244 रनों से हराया। 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम सिर्फ 89 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारतीय टीम की यह रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी हार है। वहीं, न्यूजीलैंड ने 50 ओवर के फॉर्मेट में अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत



दर्ज की है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में विराट कोहली, रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले आउट किया। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी 5 रन बनाकर काइल जेमिसन का शिकार बने। ईशान किशन ने 27 रनों का योगदान दिया, जबकि अक्षर पटेल 21 रन बनाकर आउट हुए। नमन धीर ने 21 रन बनाए। आकिब नबी (5 रन) और कुलदीप यादव (1 रन) सस्ते में आउट हुए। न्यूजीलैंड की इस धमाकेदार जीत के सूत्रधार मैट हेनरी रहे, जिन्होंने 9.4 ओवर में 27 रन देकर 6 विकेट चटकाए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 31 रन देकर 3 विकेट निकाले।

न्यूजीलैंड ने 244 रनों से जीता चौथा वनडे, महज 89 रनों पर सिमटी भारतीय टीम

हेनरी के सामने टेके घुटने

पांच मैच की सीरीज में भारत अभी भी 2-1 से आगे

माउंट माउंगानुई । न्यूजीलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चौथे वनडे मुकाबले में टीम इंडिया को 244 रनों के विशाल अंतर से हरा दिया है। न्यूजीलैंड से मिले 334 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पूरी टीम मात्र 26.4 ओवर में 89 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड़ भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 5 रन बनाकर आउट हुए। 9 के स्कोर पर 4 विकेट गंवाने के बाद भारतीय पारी को ईशान किशन और अक्षर पटेल ने थोड़ी देर तक संभालने का प्रयास किया। हालांकि, ईशान 53 गेंदों का सामना करने के बाद 27 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, अक्षर 36 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने।

आकिब नबी और कुलदीप यादव भी सस्ते में आउट हुए। नमन धीर 24 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद मैथ्यू फिशर का शिकार बने। गुरनूर बरार 2 रन ही बना सके। न्यूजीलैंड की ओर से गेंदबाजी में मैट हेनरी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 9.4 ओवर में महज 27 रन देकर 6 विकेट लिए। वहीं, मैथ्यू फिशर ने 3 विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले, न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मेजबानों की तरफ से विल यंग ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 108 गेंदों में 125 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, टिम सीफर्ट ने 58 रनों का योगदान दिया। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी निभाई। निक केली (4 रन) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (8 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके।

फिन एलन ने 30 गेंदों में 41 रनों का योगदान दिया। अंत के ओवरों में मिचेल सैंटनर ने 24 और क्रिस्टियन क्लार्क ने 22 रनों की अहम पारी खेली। वहीं, काइल जेमिसन 19 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से गेंदबाजी में आकिब नबी, गुरनूर बरार और अक्षर पटेल ने दो-दो विकेट चटकाए। अर्शदीप और नमन धीर ने एक-एक विकेट लिया।



टिम सीफर्ट के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि

भारत के खिलाफ वनडे में यह कारनामा करने वाले बने पहले कीवी बल्लेबाज

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा वनडे मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतने के बाद न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतकीय पारी खेलने के साथ ही इस मुकाबले में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। सीफर्ट न्यूजीलैंड की ओर से वनडे क्रिकेट में पहले 10 ओवरों में भारत के खिलाफ अर्धशतक तक पहुंचने वाले पहले कीवी बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले, शुरुआती 10 ओवरों में भारत के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ब्रायन यंग के नाम था, जिन्होंने 1999 में 35 गेंदों में 47 रन बनाए थे। सीफर्ट अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 48 गेंदों का सामना करते हुए 58 रन की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। टॉस गंवाने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड को विल यंग और टिम सीफर्ट ने अच्छी शुरुआत दी और दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 72 गेंदों में 85 रन जोड़े।



विल यंग की शतकीय पारी

माउंट माउंगानुई । भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का चौथा मुकाबला बे ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 50 ओवर में 333 रन बनाकर ऑलआउट हुई। टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही। विल यंग और टिम सीफर्ट ने मिलकर पहले विकेट के लिए 11.6 ओवर में 85 रन जोड़े। सीफर्ट ने अपना अर्धशतक पूरा किया और वह 48 गेंदों में 58 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में सीफर्ट ने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को आकिब नबी ने 8 रनों के स्कोर पर पवेलियन भेजा। हालांकि, इसके बाद विल यंग ने फिन एलन संग मिलकर टीम की पारी को संभाला। एलन और यंग ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंदों में 90 रनों की साझेदारी की। फिन एलन 30 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, यंग ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पांचवां शतक पूरा किया। उन्होंने 108 गेंदों का सामना करते हुए 125 रनों की दमदार पारी खेली।

किदांबी श्रीकांत ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट, लक्ष्य सेन ने भी दर्ज की एकतरफा जीत

कुमामोटो । पूर्व वर्ल्ड नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में चल रहे बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट, 'जापान मास्टर्स' के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने एक रोमांचक मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 8 और स्थानीय खिलाड़ी कोडाई नारोका को हराया। श्रीकांत के साथ-साथ हाल ही में 'हाइलो ओपन' जीतने वाले लक्ष्य सेन भी अंतिम आठ खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। उन्होंने अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक आसान जीत दर्ज की। नारोका के खिलाफ 0-4 के खराब हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के बावजूद, श्रीकांत ने संयम बनाए रखा और पहला गेम 21-15 से अपने नाम किया। इस गेम में वह 12-14 से पीछे चल रहे थे, लेकिन लगातार सात अंक जीतकर वापसी की। जापानी खिलाड़ी ने जोरदार वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक खींच लिया और आखिरी गेम में शुरुआत में बढ़त भी बना ली। हालांकि, श्रीकांत ने अपना धैर्य नहीं खोया, स्कोर 7-7 से बराबर किया और फिर मैच पर नियंत्रण बनाते हुए 60 मिनट में 21-18 से जीत हासिल की।



इस सीजन में श्रीकांत की यह कोई पहली बड़ी जीत नहीं है। जून में यूएस ओपन के दौरान उन्होंने पेरिस 2024 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट, मलेशिया के ली जी जिया को हराया था और टूर्नामेंट में उपविजेता रहे थे। इसके अलावा, सितंबर में उन्होंने कनाडा के तत्कालीन वर्ल्ड नंबर 9 विक्टर लाई को हराकर 'चाइना मास्टर्स सुपर 750' के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत का सामना एक और जापानी खिलाड़ी और विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे से होगा। वहीं, आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन के डोंग तियान याओ को 35 मिनट में 21-8, 21-14 से करारी शिकस्त दी। सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए अब उनका मुकाबला जापान के युशी तनाका से होगा।

अंडर-19 एशिया कप: नौवें खिताब के करीब टीम इंडिया; लक्ष्य की कप्तानी पारी

फाइनल में भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

अल अमेरात । भारतीय अंडर-19 टीम ने एशिया कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आठ विकेट से हरा दिया। भारत का 14 नवंबर को होने वाले फाइनल में सामना गत चैंपियन पाकिस्तान से होगा।



अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 227 रन बनाए।

जवाब में भारत ने कप्तान लक्ष्य रायचंदानी की अगुआई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत 36.5 ओवर में दो विकेट पर 230 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। पाकिस्तान ने एक अन्य सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से हराया।

भारत ने जीते हैं सर्वाधिक खिताब

अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम का दबदबा है। भारत ने अंडर-19 एशिया कप



रिकॉर्ड आठ बार जीता है, जिसमें एक संयुक्त खिताब भी शामिल है। भारतीय टीम ने 1989, 2003, 2012, 2013-14, 2016, 2018, 2019 और 2021 में खिताब अपने नाम किया था। इसके अलावा टीम दो बार 2024 और 2025 में उपविजेता रही है। भारत को पिछली बार फाइनल में पाकिस्तान से ही हार का सामना करना पड़ा था। अब टीम इंडिया के पास पिछली हार का बदला चुकता करने का मौका होगा।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

नई दिल्ली । आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में पाकिस्तान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया। वहीं, नीदरलैंड्स ने थाईलैंड के खिलाफ 5 विकेट से जीत दर्ज की। पापुआ न्यू गिनी को स्कॉटलैंड के खिलाफ 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अजमान के करवां क्रिकेट ग्राउंड में बांग्लादेश की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 108 रन ही बना सकी। टीम की ओर से निगार सुल्ताना ने सर्वाधिक 27 रन बनाए, जबकि शोर्ना अख्तर 20 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहीं।

मणिपुर में बड़ा हमला : दो वाहनों पर अंधाधुंध गोलीबारी, दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार को उखरुल जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने दो चारपहिया वाहनों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में दो महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हुई। पुलिस ने घटना की पुष्टि कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह वारदात इंफाल-उखरुल सड़क पर स्थित न्यू हेवन इलाके में हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हथियारबंद संदिग्ध उग्रवादियों ने दो वाहनों पर गोलियां चलाईं। दोनों गाड़ियों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के बाद वाहनों की विंडशील्ड पर गोलियों के निशान मिले हैं। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इससे एक दिन पहले गुरुवार को भी मणिपुर के कांगपोकपी जिले में गोलीबारी की घटना हुई थी। प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, तापहोउ कुकी गांव और पड़ोसी सेनापति जिले के कैलेन्गजांग के बीच सुबह करीब 11 बजे दो संदिग्ध विद्रोही गुटों के बीच गोलीबारी हुई थी। इस दौरान खेत में काम कर रही 43 वर्षीय कुकी महिला चोंगलोई की गोली लगने से मौत हो गई थी। उनका शव खेत से बरामद किया गया था। घटना में दो अन्य पुरुष एस. डेविड चोंगलोई (34) और लमखोचोन चोंगलोई (46) भी घायल हुए थे। दोनों को कांगपोकपी जिले के अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगातार दो दिनों में हुई गोलीबारी की इन घटनाओं से मणिपुर में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

छठ पर्व : देहरादून स्टेशन पर यात्रियों की भगदड़

देहरादून, एजेंसी। छठ पर्व के मौके पर, देहरादून रेलवे स्टेशन पर पूर्वांचल के यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे गोरखपुर जाने वाली राप्ती गंगा एक्सप्रेस में सीट पाने को लेकर भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई। करीब 2:15 बजे जैसे ही दून से गोरखपुर जाने वाली राप्ती गंगा एक्सप्रेस स्टेशन में दाखिल हुई, पूर्वांचल व बिहार के यात्रियों में अपनी जगह बनाने की होड़ शुरू हो गई। हर कोई सीट पाने के लिए डिब्बों की ओर बेतहाशा दौड़ पड़ा, जिससे प्लेटफार्म पर धक्का-मुक्की और अव्यवस्था का माहौल बन गया। ट्रेन के जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों में भारी आपाधापी मच गई। भीड़ इतनी अनियंत्रित थी कि सुरक्षा के लिहाज से तैनात आरपीएफ और जीआरपी पुलिस को स्थिति संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। अनियंत्रित जनसैलाब को काबू करने में जवानों के पसीने छूट गए, क्योंकि स्टेशन का हर कोना भीड़ और भगदड़ में तब्दील हो गया था। सीट पाने की इस आपाधापी में यात्रियों ने कोच की खिड़कियों से भी अंदर घुसने में परहेज नहीं किया, हर कोई किसी भी तरह ट्रेन में प्रवेश पाने की जद्दोजहद में लगा था। सुरक्षाकर्मियों ने लगातार दौड़ते हुए यात्रियों को भगदड़ व किसी संभावित घटना से बचाने का प्रयास किया। कई महिलाओं और युवतियों को यात्रियों के बीच फंसे देख जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित कोच व सीटों तक पहुंचाया। देखते ही देखते ट्रेन के सभी डिब्बे पूरी तरह से यात्रियों से खचाखच भर गए। इस भारी भीड़ और अफरा-तफरी के बावजूद, राप्ती गंगा एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय करीब 3:15 बजे देहरादून से गोरखपुर के लिए रवाना हुई।

जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी, गुलमर्ग-सोनमर्ग में बिछी सफेद चादर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में पिछले 24 घंटों में जबरदस्त बर्फबारी हुई। गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट और सोनमर्ग के पर्यटक स्थल पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई, जिससे वहां आए पर्यटक काफी उत्साहित नजर आए। हालांकि, ताजा बर्फबारी के कारण कई पहाड़ी दर्रे बंद हो गए हैं। श्रीनगर-लेह हाईवे, मुगल रोड पर पीर की गली, किश्तवाड़ जिले की ओर जाने वाला सिंथन दर्रा, गुरेज सीमावर्ती कस्बे की ओर जाने वाला राजदान दर्रा और तंगधार व करनाह की ओर जाने वाला साधना टॉप बर्फ से ढक गए हैं और वहां आवागमन मुश्किल हो गया है।

सेवा कोई पेशा नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है : मोहन भागवत



नई दिल्ली , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि सेवा कोई पेशा या आजीविका कमाने का माध्यम मात्र नहीं है, बल्कि समाज के प्रति प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। करुणा, संवेदनशीलता और मानवता ही एक स्वस्थ समाज की वास्तविक बुनियाद हैं। लोगों को बिना किसी स्वार्थ और अपेक्षा के जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए। संघ प्रमुख भागवत ने यह बात शुक्रवार को डॉ. संजय पैठणकर को विदर्भ गौरव पुरस्कार प्रदान करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति से हमारा व्यक्तिगत संबंध हो या न हो, यदि वह किसी परेशानी या दुख में है, तब उसकी मदद के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। ऐसा करते समय यह भावना नहीं होनी चाहिए कि हम कोई असाधारण काम कर रहे हैं। दूसरों के दुख को समझना और उस दुख को दूर करने का प्रयास करना ही सच्ची मानवता है।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा कि समाज केवल आर्थिक समृद्धि से मजबूत नहीं बनता, बल्कि उसके अस्तित्व का आधार आपसी संवेदनशीलता और करुणा है। जब तक लोगों में दूसरों के प्रति सहानुभूति और सहयोग की भावना बनी रहेगी, तब तक समाज मजबूत बना रहेगा। संवेदनशीलता समाप्त होने का अर्थ मानवता का कमजोर होना है। पुरस्कारों के महत्व पर उन्होंने कहा कि समाजसेवा करने वाले लोग सम्मान या पुरस्कार पाने की इच्छा से काम नहीं करते। पुरस्कार उनके योगदान को सम्मानित करने और उनके कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए दिए जाते हैं। ऐसे सम्मान समाज के अन्य लोगों को भी अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने धर्म की अवधारणा को मानवता और भाईचारे से जोड़ते हुए कहा कि सत्य, करुणा, पवित्रता और आत्मसंयम इसके मूल गुण हैं। मानवता और आपसी सद्भाव ही धर्म का वास्तविक स्वरूप है। इस दौरान भागवत ने गुरु और शिष्य का प्रसंग भी सुनाया। उन्होंने बताया कि गुरु ने शिष्य को ऐसी जगह जाकर फल खाने को कहा, जहां शिख्य को कोई देख न सके। शिष्य बिना फल खाए लौट आया, क्योंकि उसके अनुसार ऐसी कोई जगह नहीं थी, जहां ईश्वर मौजूद न हों। भागवत ने कहा कि जब व्यक्ति दूसरों में भी ईश्वर का स्वरूप देखता है, तब उसके भीतर स्वाभाविक रूप से प्रेम, करुणा और निस्वार्थ सेवा की भावना विकसित होती है।

तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर निकला कुबेर, एसीबी को मिली करोड़ों की दौलत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में सरकारी इंजीनियर के ठिकानों पर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की छापेमारी में मिली संपत्तियों ने सभी को चौंका दिया है। राज्य सिंचाई विभाग के डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राघिरी सत्यनारायण के 10 ठिकानों पर हुई कार्रवाई में करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ है। एसीबी को हैदराबाद के कुकटपल्ली में 7 करोड़ का एक आलीशान विला, वानापर्थी में 25 एकड़ कृषि भूमि और फार्महाउस, करीब 50 तोला सोना, और परिवार के सदस्यों के नाम पर कई फ्लैट व प्लॉट के दस्तावेज मिले हैं। इसके अलावा सत्यनारायण की पत्नी के नाम पर 9 खुले प्लॉट और हैदराबाद में दो फ्लैट (एक करमनघाट में 3-बीएचके और दूसरा नागोले में 2-बीएचके) भी जांच के दायरे में हैं। छापेमारी के दौरान एसीबी को परिवार के पास 3 से 4 चार-पहिया वाहन और एक दो-पहिया वाहन होने की जानकारी भी सामने आई है। वित्तीय निवेश के रूप में म्यूचुअल फंड और चिट फंड में करीब 20 लाख रुपये और बीमा पॉलिसियों से जुड़ी जानकारी भी एसीबी ने जुटाई है। हालांकि, जांच टीम को कोई बैंक लॉकर नहीं मिला। एसीबी ने सत्यनारायण के पैतृक गांव शापुर, वानापर्थी, हैदराबाद और उनके परिवार व रिश्तेदारों से जुड़े कुल 10 ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। सत्यनारायण ने साल 2005 में असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में सरकारी सेवा शुरू की थी और वर्तमान में सिंचाई विभाग में डिप्टी एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। उनकी पत्नी भी बिजली विभाग (ट्रांसको) में असिस्टेंट इंजीनियर हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो पता लगाने में जुटी है कि एक सरकारी इंजीनियर की वैध आमदनी के मुकाबले इतनी बड़ी संपत्ति कैसे जमा हुई। एजेंसी अधिकारी की कुल आय, नौकरी से अर्जित वेतन, निवेश और परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद सभी संपत्तियों का हिसाब जुटा रहे हैं।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान का खतरा, 19-20 नवंबर को तट से टकराने के आसार

● संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर एकमत नहीं मौसम एजेंसियां

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में फिर चक्रवाती तूफान का खतरा मंडरा रहा है, इससे तटीय राज्यों में चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, संभावित तूफान 19 या 20 नवंबर के आसपास तट के करीब पहुंच सकता है। हालांकि, इसके संभावित मार्ग और लैंडफाल को लेकर अभी भी काफी अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि अलग-अलग मॉडल भिन्न-भिन्न अनुमान जाहिर कर रहे हैं। कुछ यूरोपीय मॉडल तूफान को आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तट की ओर बढ़ने का संकेत दे रहे हैं, जबकि अन्य इस चक्रवाती तूफान को बांग्लादेश या म्यांमार की ओर मुड़ने की संभावना जता रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया है कि मध्य अंडमान सागर में बना चक्रवाती परिसंचरण अब दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। उम्मीद है कि 15 नवंबर तक यह दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में अवदाब में तब्दील होगा। आईएमडी के विस्तारित पूर्वानुमान में कहा गया है कि यह अवदाब के और अधिक मजबूत होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है, लेकिन इसके संभावित मार्ग और तट से टकराने के स्थान को लेकर विभिन्न मौसम मॉडल में एकमत नहीं है। इसकारण आईएमडी ने अभी तक कोई स्पष्ट पूर्वानुमान जारी नहीं किया है और अवदाब बनने के बाद ही स्थिति साफ होने की उम्मीद है। इस बीच, भुवनेश्वर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, ओडिशा में अगले सात दिनों तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 17-18 नवंबर के आसपास राज्य के मौसम में बदलाव देखा जा सकता है। सोआ के जलवायु एवं पर्यावरण केंद्र (सीईसी) के निदेशक डॉ. शरत चंद्र साहू ने अनुमान जताया है कि यदि यह प्रणाली चक्रवाती तूफान का रूप लेती है, तब 19 नवंबर की रात या 20 नवंबर की सुबह यह आंध्र प्रदेश के कावली से मछलीपट्टनम के बीच तट से टकरा सकता है। ऐसी स्थिति में 17-18 नवंबर से ओडिशा के गंजाम, गजपति और पुरी जिलों में हल्की बारिश शुरू हो सकती है, जिसके बाद 19 से 21 नवंबर के बीच दक्षिण ओडिशा के कोरापुट, नवरंगपुर, मलकानगिरि, रायगड़ा और गजपति जिलों में भारी बारिश की आशंका है। वहीं, मौसम वैज्ञानिक विश्वजीत साहू के अनुसार, 17 नवंबर के आसपास चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है, जिसके शुरुआती आकलन में आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ने के संकेत हैं।

छठ पूजा और भोजपुरी गानों पर सियासी घमासान, राज ठाकरे ने बीजेपी को दी खुली चुनौती

मुंबई , एजेंसी । महाराष्ट्र में छठ पूजा और भोजपुरी गानों को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ता जा रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को निशाने पर लेकर लगातार तीन पोस्ट किए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी आगामी चुनावों को देखकर महाराष्ट्र में सामाजिक तनाव और मराठी-अमराठी विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। साथ ही उन्होंने मराठी समाज से बीजेपी की कथित रणनीति में नहीं फंसने की अपील की।

राज ठाकरे ने आरोप लगाया कि बीजेपी और उससे जुड़े सोशल मीडिया समूह छठ पूजा को सांस्कृतिक अतिक्रमण के तौर पर पेश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ रील्स और वीडियो के जरिए लोगों के बीच तनाव फैलाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने मुंबई के कुछ रेलवे स्टेशनों पर भोजपुरी गाने बजाए जाने का जिक्र कर दावा किया कि मनसे ने इन गानों को बंद करवाया था।

मनसे प्रमुख ने पूरे घटनाक्रम को आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से जोड़कर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी विकास के मुद्दों पर चुनाव जीतने की स्थिति में नहीं होती तो समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच विवाद खड़ा करती है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान हिंदू-मुस्लिम और विधानसभा चुनावों के समय जातिगत मुद्दों को हवा देने का भी आरोप लगाया।

राज ठाकरे ने मुंबई महानगरपालिका चुनाव के दौरान कबूतरखाने के विवाद का उल्लेख कर कहा कि इसके जरिए गुजराती और मराठी समाज के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने बीजेपी पर महाराष्ट्र के सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने और उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने का आरोप भी लगाया। मराठी समाज से अपील कर राज ठाकरे ने कहा कि लोग दूसरों के तय किए राजनीतिक मैदान में उतरकर आपस में न लड़ें। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की गुरिल्ला युद्धनीति का जिक्र कर कहा कि



जवाब कब और कैसे देना है, इसका फैसला महाराष्ट्र के लोग खुद करने वाले है। उन्होंने उत्तर भारतीयों और गुजराती समाज से भी राजनीतिक स्वार्थ के लिए मराठी लोगों के खिलाफ खड़े नहीं होने की अपील की।

राहुल गांधी के दावों पर अखिलेश को याद आए अमर सिंह... उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही



लखनऊ ,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के फोन टैपिंग के दावे पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि आज के दौर में कुछ भी संभव है। तकनीक इतनी आसान हो गई है कि किसी का भी फोन टैप हो सकता है। उन्होंने पूर्व सपा नेता अमर सिंह का जिक्र कर कहा कि उन्होंने भी फोन टैपिंग की बात कही थी, जो सच साबित हुई थी। अखिलेश यादव ने मतदाता सूची और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री योगी को कैसे पता चला कि एक करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से कट गए हैं? चुनाव आयोग ने उन्हें यह जानकारी किस आधार पर दी? अखिलेश ने आरोप लगाया कि बीजेपी मतदाता सूची में हेराफेरी करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने वोट बचाने में कामयाब रही है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने एक करोड़ 27 लाख हिंदू वोट कटने की बात कही, ताकि समाज में डर का माहौल बन सके। अखिलेश ने सवाल किया कि चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री को यह आंकड़ा कैसे उपलब्ध कराया।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर बिना नाम लिए पलटवार कर अखिलेश ने कहा कि जब बीजेपी को कुछ नहीं सूझता, तब लोगों को भैंस चराने की सलाह दी जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार आने के बाद से भेदभाव बढ़ा है और उत्तराखंड में भी लोगों को संविधान के तहत उनके अधिकार नहीं मिल रहे हैं।

ईडी हिरासत में आजम खान का छलका दर्द... शिक्षा का मंदिर बनाना ही मेरी गलती

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े 426 करोड़ रुपये के वित्तीय घोटाले और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चार दिन की हिरासत में ले लिया है। गाजियाबाद स्थित विशेष न्यायाधीश ने ईडी की रिमांड अर्जी स्वीकार कर ली, जिसके बाद उन्हें डासना जेल से पूछताछ के लिए ले जाया गया। इस दौरान, आजम खान ने कहा, बच्चों को पढ़ाने का गुनाह किया है। यूनिवर्सिटी बनाई, स्कूल बनाए, शिक्षा का मंदिर एक मुसलमान ने बना दिया, यही एक गुनाह हो गया। ईडी की यह हिरासत 12 की शाम 4:30 बजे से 16 नवंबर की शाम 4:30 बजे तक प्रभावी रहेगी।

अदालत ने रिकॉर्ड देखने के बाद पाया कि धन के व्यापक लेनदेन का पता लगाने के लिए आजम से हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। इसके पहले, ईडी ने 30 अक्तूबर को आजम को गिरफ्तार कर 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेजा था। यह मामला जौहर विश्वविद्यालय के लिए 27 किसानों की जमीनों पर जबरन कब्जा करने के आरोपों और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। आलियागंज के किसानों द्वारा जमीन हड़पने के आरोपों से संबंधित मुकदमों की सुनवाई, जो एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही है, ईडी की हिरासत के चलते टल गई। इन मामलों की अगली सुनवाई अब 30 नवंबर को तय की गई है।

इस बीच, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने डासना जेल में आजम से मुलाकात की। मुलाकात के बाद शिवपाल ने कहा कि उन्हें अब केवल न्यायालय से ही उम्मीद है। उन्होंने आरोप लगाया कि शासन तथा प्रशासन आजम का उत्पीड़न कर रहा है और उन पर लगाए गए सभी मुकदमों को झूठा बताया। शिवपाल यादव के अनुसार, आजम का एकमात्र दोष गरीब बच्चों के लिए विश्वविद्यालय बनाना था।

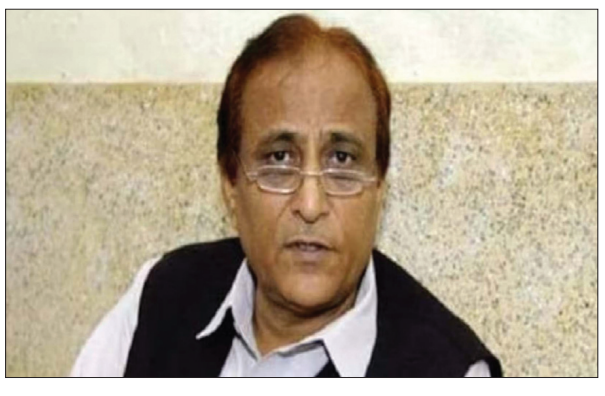

छठ पूजा से पहले यमुना में मरी मछलियों पर सियासत तेज, भाजपा और आप आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में छठ पूजा से पहले यमुना नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। सोनिया विहार के पास नदी में मरी मछलियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इस घटना ने यमुना के प्रदूषण और जल की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने यमुना की सफाई को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार नदी को साफ करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति अलग है। उन्होंने सवाल उठाया कि मछलियों की मौत प्रदूषण के कारण हुई या पानी में किसी हानिकारक रसायन के मिलने से। उन्होंने सरकार से इसकी जांच कराने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। आप नेता भारद्वाज ने लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा के उस आरोप को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि मरी हुई मछलियां जानबूझकर नदी में डाली गई हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं को अपने आरोपों



के समर्थन में सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की चुनौती दी। आप नेता भारद्वाज ने कहा कि हजारों मरी हुई मछलियों को इकट्ठा करके नदी में डालने का आरोप निराधार है और दिल्ली सरकार को वास्तविक कारणों का पता लगाना चाहिए।

वहीं, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आप पर पलटवार कर आरोप लगाया कि विपक्षी दल यमुना में मरी हुई मछलियां डालकर दिल्ली सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इस हरकत को छठ पूजा जैसे धार्मिक मौके से पहले बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और बड़ा पाप बताया। मंत्री सिरसा ने दावा किया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने यमुना के 60 प्रतिशत हिस्से की सफाई कर रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नदी में क्रूज सेवा शुरू होने और सफाई के प्रयासों से परेशान होकर आप इस तरह की गतिविधियां कर रही है।

इस बीच, दिल्ली जल बोर्ड ने मामले में दिल्ली पुलिस को शिकायत देकर सोशल मीडिया पर कथित भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच क्राइम ब्रांच यूनिट-2 को सौंपी

मुंबई, एजेंसी । बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग मामले में मुंबई पुलिस ने जांच को लेकर बड़ा फैसला लिया। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल (एईसी) से इस मामले की जांच वापस लेकर क्राइम ब्रांच की यूनिट-2 को सौंप दी गई है। मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) की धाराएं लगने के बाद जांच की जिम्मेदारी में यह बदलाव किया गया है। अब एसीपी सदाशिव राणे इस मामले के नए जांच अधिकारी होंगे। उनकी मदद के लिए यूनिट-2 की एक विशेष टीम भी बनाई गई है। इस बदलाव को मुंबई पुलिस आयुक्त के एक अहम फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पुलिस आयुक्त ने क्राइम ब्रांच की यूनिट एंटी-एक्सटॉर्शन सेल को अपने पास मौजूद तीन से चार अहम और हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच दूसरी क्राइम ब्रांच यूनिट्स को सौंपने का निर्देश दिया है।

परिसीमन विधेयक पर विशेष सत्र की विपक्ष को कोई जानकारी नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की किसी भी योजना के बारे में विपक्षी दलों को अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार यदि



इस तरह का कोई सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है, तब विपक्ष को इसकी जानकारी होनी चाहिए। प्रियंका गांधी वाड्रा से संसद का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर चर्चा करने की खबरों के संबंध में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस बारे में विपक्ष के किसी भी सदस्य को सूचना नहीं दी है। इसलिए उन्हें फिलहाल ऐसी किसी योजना की जानकारी नहीं है।

प्रियंका गांधी वाड्रा अपने चार दिवसीय दौरे के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही हैं। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शनों और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार असहमति जताने वाले लोगों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। जो लोग अपनी बात रखना चाहते हैं, उन्हें बोलने से रोका जाता है। पिछले कुछ महीनों में लगातार ऐसी घटनाएं देखने को मिली हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह संविधान और उसके मूल्यों की रक्षा करने वाली संस्थाओं को व्यवस्थित तरीके से कमजोर कर रही है। प्रियंका गांधी ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना विपक्ष की प्राथमिकता है।

बैंक ऑफ बड़ौदा की गोल्डन गोल एफडी पर बंपर रिटर्न

मुंबई ।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी 555 दिनों वाली गोल्डन गोल डिपॉजिट स्कीम की ब्याज दर में 10 बेसिस पॉइंट (0.10 फीसदी) का इजाफा किया है। इस बढ़ोतरी के बाद, सामान्य ग्राहकों को अधिकतम 6.85 फीसदी, वरिष्ठ नागरिकों को 7.35 फीसदी और सुपर सीनियर सिटीजन्स को 7.45 फीसदी सालाना ब्याज मिलेगा। यह स्कीम विशेष रूप से उन ग्राहकों के लिए बनाई गई है जो अपनी बचत को सुरक्षित रखते हुए बेहतर रिटर्न चाहते हैं। इसमें मात्र 1,000 रुपये से निवेश शुरू किया जा सकता है। निवेशक बैंक ऑफ बड़ौदा के बीओबी वर्ल्ड मोबाइल ऐप, आधिकारिक वेबसाइट या अपनी नजदीकी बैंक शाखा में जाकर आसानी से एफडी खुलवा सकते हैं। यह बदलाव निवेशकों को बेहतर कमाई का मौका देता है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में अधिक लाभ मिलेगा।

एमके संस में मनुजा श्रॉफ का 26 करोड़ का बड़ा निवेश

नई दिल्ली ।

मशहूर निवेशक मनुजा गौतम श्रॉफ ने हाल ही में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई कंपनी एमके संस फाइन ज्वेल्स में बड़ा निवेश किया है। उन्होंने खुले बाजार से लगभग 26 करोड़ रुपये के 15.44 लाख शेयर खरीदे हैं, जिससे बाजार में कंपनी के प्रति विश्वास बढ़ा है। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, श्रॉफ ने चार नवंबर को कंपनी की लिस्टिंग के दिन 169.04 रुपये के औसत भाव पर 4.33 लाख से अधिक शेयर (7.32 करोड़ रुपये) खरीदे। इसके बाद, उन्होंने 12 नवंबर को 166.69 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर 11.11 लाख से अधिक शेयर (18.52 करोड़ रुपये) खरीदे। इन दोनों सौदों को मिलाकर, उन्होंने कुल 15.44 लाख शेयर 25.85 करोड़ रुपये में हासिल किए। वर्ष 2012 में स्थापित एमके संस फाइन ज्वेल्स आभूषण डिजाइन, विनिर्माण और खुदरा बिक्री के कारोबार में है। कंपनी के मुंबई और अहमदाबाद में कुल पांच शोरूम हैं।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का 456 करोड़ का आईपीओ 18 नवंबर को

नई दिल्ली ।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड का 456 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 18 नवंबर को खुलेगा। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 259 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी की शुक्रवार को जारी सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, तीन दिन का यह निर्गम 20 नवंबर को बंद होगा। बड़े निवेशक 17 नवंबर को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ 355 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 101 करोड़ रुपये तक के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनी सैफायर क्रॉप साइंस द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने और रणनीतिक पहलों के वित्तपोषण तथा सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। वर्ष 1994 में स्थापित क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन फसल समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी है। इसके उत्पादों में कृषि रसायन और बीज प्रमुख हैं।कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने 3,050 करोड़ में इंटेलीस्मार्ट का अधिग्रहण किया

स्मार्ट मीटरिंग में मजबूत हुई पैठ एनआईआईएफ और ईईएसएल से हुई डील

नई दिल्ली ।

अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस (एईएसएल) ने राष्ट्रीय निवेश एवं अवसंरचना कोष (एनआईआईएफ) और एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) से इंटेलिस्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड का 3,050 करोड़ रुपये में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इस महत्वपूर्ण सौदे से अदाणी समूह की कंपनी स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को मजबूत करेगी। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि इस सौदे में इंटेलिस्मार्ट की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी का अधिग्रहण और एनआईआईएफ के पास मौजूद वैकल्पिक परिवर्तनीय ऋणपत्र का भुगतान शामिल है। इंटेलिस्मार्ट बिजली के लिए उन्नत मीटरिंग बुनियादी ढांचा (एएमआई) उपलब्ध कराती है और कुछ स्मार्ट गैस मीटर भी स्थापित करती है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने 30 अक्टूबर को इस अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। इससे पहले जून में एईएसएल ने अधिग्रहण समझौते की घोषणा की थी। एनआईआईएफ भारत का संप्रभु समर्थित वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधक है, जबकि ईईएसएल बिजली मंत्रालय के तहत प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का संयुक्त उद्यम है।

बिकवाली के दबाब से शेयर बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 500 अंक गिरकर 81,300, निफ्टी 25,100.85 के स्तर पर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में बीते 10 दिनों की हरियाली के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को बिकवाली का जोर दिखा। शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी टूट गए। सेंसेक्स 537.56 अंकों की गिरावट के साथ 81,373.45 के स्तर पर पहुंच गया। यह 0.65 फीसदी की महत्वपूर्ण कमी दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लाल निशान में रहा। निफ्टी 198.50 अंक टूटकर 25,100.85 के स्तर पर आ गया। यह सूचकांक में 0.78 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। बाजार खुलने के दौरान निवेशकों में चिंता का माहौल देखा गया। शेयर बाजार में शुरुआत कारोबार में निफ्टी 50 में सिप्ला, ओएनजीसी, डॉ. रेड्डीज लैब्स, मैक्स हेल्थकेयर और एसबीआई सबसे ज यादा बढ़ने वाले शेयर हैं। वहीं टॉप लूजर्स में श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, मारुति सुजुकी, जियो फाइनेंशियल और एटीएमपीवी शेयर शामिल हैं।



निफ्टी 50 में शामिल आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई में जोरदार गिरावट आई है।

आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 0.39 फीसदी की गिरावट के साथ 1,583.80 रुपये पर कारोबार कर रहा है। बजाज फाइनेंस का शेयर 0.33 फीसदी टूटकर 1,111.35 रुपये और एचडीएफसी बैंक 1.32 फीसदी की गिरावट के साथ 801.60 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

रुपया सात पैसे चढ़कर 94.05 प्रति डॉलर पर खुला

रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई ।

रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ सात पैसे की मामूली बढ़त के साथ 94.05 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी के निरंतर निवेश, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अनुकूल बाहरी माहौल से रुपये में सकारात्मक रुझान दिख रहा है। हालांकि, विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर की मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया करीब 94.07 प्रति डॉलर पर खुला। फिर 94.05 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त है। रुपया गुरुवार को 41 पैसे टूटकर 94.12 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 103.15 पर रहा।

जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद एनवीडिया के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली।

दुनिया की सबसे बड़ी चिप मेकिंग कंपनी एनवीडिया पिछले कुछ दिनों से अपने सीईओ से जुड़े विवादों के चलते काफी सुर्खियों में थी।

कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े मामले की खबरें जैसे ही बाहर आईं, भूचाल मच गया। जेनसन इन विवादों में आए और विवादों को बढ़ता हुआ देख उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। जेनसन के पद से इस्तीफा देते ही इसका असर कंपनी के शेयरों पर देखने को मिला। अमेरिकी शेयर बाजार खुलने से पहले ही कंपनी के शेयर 10 फीसदी से ज्यादा गिर गए। बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत में और गिरावट दर्ज की गई, और शुरुआती कारोबार में कंपनी के शेयर लगभग 14 फीसदी तक टूट गए। हालांकि, बाद में गिरावट कुछ कम हुई और शेयर करीब 11.5 फीसदी नीचे कारोबार करने लगे।

यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय बन गई, जिन्होंने बाजार खुलने के बाद शेयरों की कीमत पर करीब से नजर रखी। पिछले कुछ दिनों से एनवीडिया के शेयर लगातार दबाव में थे। सीईओ से जुड़े विवादों और अन्य आरोपों के कारण कंपनी के शेयरों पर इसका तगड़ा असर देखने को मिल रहा था। अब इस गिरावट के कारण कंपनी दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी की सूची से नीचे खिसक गई है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि एक बड़े विवाद के कारण कंपनी की पूरी वैल्यू पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कंपनी ने जेनसन हुआंग के इस्तीफे की खबर की पुष्टि स्वयं की है।

ऑनलाइन पेमेंट पर मंडराया साइबर फ्रॉड का खतरा,बैंक हुए सख्त

डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने की कवायद तेज, ग्राहकों का पैसा बचाने पर जोर

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल भुगतान का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, जहां छोटी से छोटी खरीद से लेकर बड़े बिलों तक का भुगतान अब ऑनलाइन माध्यम से हो रहा है। हालांकि, इस सुविधा के साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी चुनौती से निपटने के लिए भारतीय बैंक अब सक्रिय हो गए हैं। बैंकों ने डिजिटल पेमेंट और फिनटेक कंपनियों को अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ-साथ मर्चेंट वेरिफिकेशन और लेनदेन निगरानी को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं ताकि ग्राहकों के डिजिटल लेनदेन को अधिक सुरक्षित बनाया जा सके। बैंकों ने अपनी पार्टनर फिनटेक कंपनियों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर नए व्यापारियों (मर्चेंट) को जोड़ने से पहले उनकी गहन जांच करें। इसके अलावा, उन बैंक खातों की जानकारी भी दोबारा सत्यापित की जाए जिनमें कारोबारियों का पैसा भेजा जाता है। ऑटोमेटेड पेआउट सिस्टम, जिसके जरिए कंपनियां एक साथ हजारों खातों में भुगतान करती हैं, उस पर भी कड़ा नियंत्रण रखने की सलाह दी गई है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है ताकि साइबर अपराधी इन प्रणालियों का दुरुपयोग कर गलत खातों में पैसे ट्रांसफर न कर सकें। डिजिटल



धोखाधड़ी का एक सामान्य तरीका एपीआई की चोरी है। एपीआई की एक गोपनीय कोड होता है जिसका उपयोग मर्चेंट का सॉफ्टवेयर भुगतान कंपनी को निर्देश देने के लिए करता है। यदि ये कोड मर्चेंट के सर्वर से चोरी हो जाते हैं, तो अपराधी इनका इस्तेमाल कर फर्जी भुगतान कर सकते हैं, जिससे असली और नकली निर्देशों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। इस खतरे को कम करने के लिए, पेमेंट कंपनियां अब अपनी एपीआई की को नियमित रूप से बदल रही हैं और सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत कर रही हैं ।

आरबीआई दिसंबर में बढ़ा सकता है 0.25 फीसदी रेपो रेट रिपोर्ट

टर्मिनल रेट 6 फीसदी पर स्थिर होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) दिसंबर की बैठक में रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत (25 आधार अंक) की वृद्धि कर सकती है। हालांकि, 0.50 प्रतिशत की बड़ी बढ़ोतरी की संभावना कम है। एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि महंगाई, रुपये और वैश्विक दबावों में कमी के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो आरबीआई की 2-6 प्रतिशत की निर्धारित सीमा से ऊपर है, लेकिन अगले महीने के बाद इसमें गिरावट आने का अनुमान है। भारत के लिए कुछ सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की धारणा में सुधार से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश बढ़ा है, जो नवंबर से अब तक 7.65 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान संघर्ष में तनाव कम होने की संभावनाओं से कच्चे तेल की कीमतों का दृष्टिकोण बेहतर हुआ है, और अमेरिकी चुनावों के बाद ये 11 प्रतिशत गिरकर लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर रह सकती हैं। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में भी नरमी आने की उम्मीद है, जबकि भारतीय 10-वर्षीय यील्ड में गिरावट का स्पष्ट रुझान दिख रहा है। एसबीआई रिसर्च का कहना है कि लगातार कई बार ब्याज दरें बढ़ाने की पहले की उम्मीदें अब खारिज हो रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, टर्मिनल रेपो रेट 6 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो सकता है, जिसमें 5.75 प्रतिशत तक नीचे आने की भी 50-50 संभावना है।

एचडीएफसी बैंक की डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को रहेंगी बाधित

नई दिल्ली ।



एचडीएफसी बैंक ने अपने करोड़ों ग्राहकों के लिए एक अहम सूचना जारी की है। बैंक की नेटबैंकिंग और मोबाइल ऐप सहित कई डिजिटल सेवाएं 14 नवंबर को तड़के 2:30 बजे से सुबह 6:30 बजे तक, यानी चार घंटे के लिए बंद रहेंगी। यह रोक जरूरी सिस्टम मेंटेनेंस के कारण लगाई गई है। इस अवधि के दौरान ग्राहक फंड ट्रांसफर, ऑनलाइन भुगतान और खाते से जुड़ी कई डिजिटल सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाएंगे। बैंक के अनुसार यह मेंटेनेंस डिजिटल सेवाओं की दक्षता और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है। हालांकि, ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि यूपीआई और जेडएपीपी से संबंधित सेवाएं इस दौरान भी जारी रहेंगी। ऐसे में जिन्हें तुरंत भुगतान करना हो, वे इन सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकते हैं।

देशभर के बैंक 14 और 15 नवंबर को बंद रहेंगे

नई दिल्ली ।

अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाना है, तो अपनी योजना पर फिर से विचार कर लें। 13 नवंबर को भले ही कुछ राज्यों में बैंक खुले हैं, लेकिन आने वाले दिनों में छुट्टियों की लंबी कतार है। खासकर, अगले दो दिन यानी 14 और 15 नवंबर को देशभर के बैंक बंद रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार 13 नवंबर शुक्रवार को सिर्फ मेघालय में वांगाला फेस्टिवल के कारण बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। यह गारो समुदाय का प्रमुख 100 ड्रम फेस्टिवल है। हालांकि, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्यों में बैंक खुले हैं। बैंक ग्राहकों को विशेष ध्यान देना चाहिए कि 14 नवंबर को महीने का दूसरा शनिवार है, जिसके कारण देशभर के बैंक बंद रहेंगे। इसके ठीक बाद 15 नवंबर को रविवार है, जिससे बैंक लगातार दो दिन अवकाश पर रहेंगे। ऐसे में चेक जमा करने, दस्तावेज जमा कराने या ब्रांच से जुड़े किसी भी जरूरी काम के लिए आज का दिन एक अच्छा मौका है। नवंबर में छुट्टियों का सिलसिला यहीं नहीं थमता। 16 नवंबर को छठ पूजा के अवसर पर बिहार और झारखंड में बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा, 20 नवंबर को उत्तराखंड में इगास-बग्वाल, 23 नवंबर को मेघालय में सेंग कुट स्नेम, 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और कार्तिक पूर्णिमा के कारण कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे।

27 नवंबर को कर्नाटक में कनकदास जयंती के चलते भी बैंक शाखाओं में कामकाज नहीं होगा। इसलिए बैंक जाने से पहले छुट्टियों की पूरी जानकारी अवश्य जुटा लें।

मलेशिया का भारत,चीन से सीधी उड़ानें बढ़ाने पर जोर

सरकार ने 2027 के बजट में 93.5 करोड़ रिंगित आवंटित किए

कुआलालंपुर ।

मलेशिया ने भारत, चीन और मध्य एशिया जैसे प्रमुख बाजारों से सीधा हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। सरकार अंतरराष्ट्रीय और चार्टर उड़ानों को प्रोत्साहन अनुदान देकर पर्यटन को बढ़ावा देना चाहती है। मलेशिया के उप परिवहन मंत्री दातुक हाजी हस्बी बिन हाजी हबीबुल्लाह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि 2027 के बजट में पर्यटन, संस्कृति और कनेक्टिविटी कार्यक्रमों के लिए 93.5 करोड़ मलेशियाई रिंगित आवंटित किए गए हैं। यह अनुदान अंतरराष्ट्रीय और चार्टर विमानन कंपनियों को चीन, भारत और मध्य एशिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों से सीधी उड़ानें शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मलेशिया भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है; इस साल जनवरी-अगस्त में 9.6 लाख भारतीय पर्यटक आए।

अनुदान का दायरा अब क्रूज जहाजों, फेरी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को लाने वाली टूर बसों को भी शामिल करने के लिए बढ़ाया गया है। मलेशिया एयरलाइंस, एयर इंडिया और इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां वर्तमान में मलेशिया और भारत के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती हैं।

एनवीडिया में जेनसन हुआंग ने छोड़ा सीईओ पद, कॉलेट क्रेस बनीं अंतरिम प्रमुख

कंपनी ने स्थायी सीईओ की तलाश तक क्रेस को सौंपी कमान

वाशिंगटन ।

तकनीकी दिग्गज एनवीडिया में एक बड़े नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा हुई है। लंबे समय से कंपनी का नेतृत्व कर रहे सीईओ जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक अंग्रेजी समाचार पत्र की रिपोर्ट के बाद उठे विवादों के बाद यह कदम उठाया गया है। कंपनी ने तुरंत प्रभाव से अपनी मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी है।

रिपोर्ट में जेनसन हुआंग के विवादों से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद से ही तकनीकी गलियारों में एनवीडिया को लेकर चर्चा तेज हो गई थी।

यह मामला कई हफ्तों तक बढ़ता रहा, जिस पर कंपनी ने शुरुआत में अपने सीईओ पर पूरा भरोसा जताया था। हालांकि, विवादों के लगातार गहराते देख, जेनसन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। एनवीडिया ने यह भी स्पष्ट किया है कि कंपनी एक स्थायी सीईओ की तलाश करेगी, जो इसके भविष्य के विकास का नेतृत्व कर सके। जेनसन हुआंग के इस्तीफे के तुरंत बाद, एनवीडिया ने कॉलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की क्रेस, जो सितंबर 2013 से कंपनी की कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्यरत हैं, अब यह अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालेंगी। उनके पास सिस्को और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में फाइनेंस से जुड़े अहम पदों पर काम करने का 25 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है।

पदभार संभालने के बाद कॉलेट क्रेस ने कहा कि वह जेनसन हुआंग द्वारा पिछले 33 वर्षों में बनाई गई मजबूत नींव पर आगे काम करेंगी। उन्होंने एनवीडिया के कर्मचारियों को कंपनी की असली ताकत बताया और कहा कि पूरी टीम मिलकर कंपनी को आगे बढ़ाएगी।

केंद्र के बाद राज्यों ने भी बढ़ाया महंगाई भत्ता

कई राज्यों ने भी घोषणा की, पर बकाया एरियर के भुगतान को लेकर अलग-अलग रास्ते

नई दिल्ली ।

दिवाली और छठ से ठीक पहले केंद्र सरकार ने अपने लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ा तोहफा दिया है। महंगाई भत्ते (डीए) में 3 फीसदी की बढ़ोतरी की घोषणा के बाद, अब यह 60 से बढ़कर 63 फीसदी हो गया है। इस फैसले के तुरंत बाद, विभिन्न राज्य सरकारों ने भी अपने कर्मचारियों का डीए बढ़ाकर त्योहारों की खुशी दोगुनी कर दी है। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी मानी गई है, जिससे देश भर में करीब 1 करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को सीधा फायदा होगा।

केंद्र सरकार के इस कदम से सरकारी खजाने पर बड़ा असर पड़ेगा, लेकिन कर्मचारियों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि बढ़े हुए डीए के साथ पिछले महीनों का बकाया पैसा, यानी एरियर, उन्हें कब और किस प्रकार मिलेगा। इस संबंध में राज्य सरकारों के बीच अलग-अलग नीतियां देखने को मिल रही हैं। एरियर भुगतान पर राज्यों की भिन्न रणनीतियाँ- एरियर भुगतान के तरीके को लेकर राज्यों में विविधता है। उदाहरण के लिए अरुणाचल प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी किया गया है। बढ़ा हुआ पैसा नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से अक्टूबर तक का एरियर कर्मचारियों के बैंक खातों में नकद जमा किया जाएगा। उत्तराखंड डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ, जुलाई से 31 अक्टूबर तक का बकाया पैसा कर्मचारियों को नकद दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश- डीए 60 से 63 फीसदी हुआ है। अक्टूबर का बढ़ा हुआ डीए नवंबर के वेतन के साथ मिलेगा, जबकि जुलाई से सितंबर तक के बकाया पैसे को कर्मचारियों के पीएफ खातों में जमा करने की बात कही गई है। पंजाब- सरकार ने डीए 3 बढ़ाकर 53 फीसदी कर दिया है, जो 1 नवंबर, 2023 से प्रभावी है और दिसंबर के वेतन के साथ मिलेगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल ने डीए में 2 फीसदी की बढ़ोतरी की है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com